सांध्य दैनिक

4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_SanjayS | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 11 ● अंकः 284 पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शनिवार 22 नवम्बर, 2025

मूल्य ₹ 3/-

साख बनाने में बीस साल लगते हैं और उसे गंवाने में बस पांच मिनट।
-वॉरेन बफे

अफ्रीका ने वनडे व टी-20 के लिए किया... 7 | बिहार में अब लग रहे साइड इफेक्ट... 3 | भाजपा की नीति इस्तेमाल करो और... 2

इंजन विदेशी, सपने देसी

धुआं-धुआं तेजस!

» दुबई एयरशो में दुर्घटनाग्रस्त तेजस उठ रहे सवाल

» एक विमान नहीं गिरा एक भरोसा भी धराशायी हुआ

» तेजस गिरा है लेकिन भारत की उड़ान नहीं रुकी है

4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। जो इवेंट भारतीय डिफेंस कारोबार को एक नई उड़ान दे सकती थी! वहीं इवेंट एक ऐसा झटका साबित हुई जिसमें उम्मीदें धुआं-धुआं हो गयी। दुबई एयर शो में दुर्घटनाग्रस्त तेजस के पायलट की मौत ने पूरे देश को झकझोर दिया है। गौरतलब है कि तेजस का यह पहला एक्सीडेंट नहीं है। इससे पहले भी ट्रेनिंग के दौरान तेजस राजस्थान में दुर्घटनाग्रस्त हुआ था मगर उस समय गनीमत यह रही कि पायलट खुद को इंजेक्ट कराने में सफल रहा।

दुबई ऐयर शो में यह हादसा अपने पीछे बहुत से सवाल उठा रहा है। सबसे पहला सवाल है कि यह हादसा है या फिर षडयंत्र? दूसरा सवाल डिफेंस एक्सपोर्ट को जो पंख मिलने वाले थे उसका क्या होगा? और तीसरा और अहम सवाल कि पूरे विश्व में भारत की साख पर लगे बटटे का जिम्मेदार कौन होगा? हालांकि इस घटना के कोर्ट आफ इनक्वायरी के आदेश दिये गये हैं और जल्द ही दूध का दूध और पानी का पानी होगा लेकिन इतना तय है कि इस हादसे के सदमे से जल्द उभरकर दोबारा हम खड़ें होंगे और इस बार आकाश भी हमारा होगा और पाताल भी।

राहुल गांधी ने पायलट की मौत पर दुख जताया

राहुल गांधी ने दुबई एयर शो में भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमान तेजस के दुर्घटनाग्रस्त होने के कारण पायलट की मौत पर दुख जताया है। उन्होंने कहा है कि देश उनके परिवार के साथ खड़ा है। डिफेंस मिनिस्टर राजनाथ सिंह ने विंग कमांडर नमनाश स्याल की मौत पर अपनी संवेदनाएं जाहिर कीं। उन्होंने कहा है कि इस दुख की घड़ी में पूरा देश परिवार के साथ मजबूती से खड़ा है।

पायलट की मौत से पूरा देश सदमें में, क्या होगा डिफेंस बिजनेस प्लान का

“इस दुर्घटना ने देश की भावनाओं को झकझोर दिया”

“इससे पहले भी ट्रेनिंग के दौरान तेजस राजस्थान में दुर्घटनाग्रस्त हुआ था”

प्रतिष्ठा पर धब्बा जिम्मेदार कौन?

हादसे कभी भी, कहीं भी किसी के साथ हो सकते हैं लेकिन हादसा जब एक वर्ल्ड लेवल ईवेंट में और तब हो जब सभी की निगाहे देख रही हो तो यह सिर्फ हादसा नहीं लगता बल्कि एक साजिश का हिस्सा माना जाता है। बड़ा सवाल यही है कि दुनिया अब हमें अब कैसे देखेगी। हमारी सैन्य प्रतिष्ठा स्कोर जो तेजी से बढ़ रहा था उसका क्या होगा?

हादसा या फिर कोई साजिश?

यह सिर्फ एक दुर्घटना नहीं थी। यह मंच के सामने हुआ सार्वजनिक हादसा था। अब सवाल उठने जरूरी हैं और उठ भी रहे है कि क्या यह सिर्फ तकनीकी खराबी थी या किसी अंतरराष्ट्रीय शक्ति की साजिश? क्योंकि तेजस को दुनिया के कई देशों से संभावित ऑर्डर मिलने वाले थे। क्या यह संयोग है कि ठीक ऐसे समय पर यह हादसा हुआ जब भारत रक्षा-बाजार में नई जगह बनाने की कगार पर था? गौर करने वाला पहलू यह है कि इस हादसे के तत्कालिक फायदे किसे मिल सकते हैं। दुबई एयर शो भारत के लिए गेम चेंजर साबित हो सकता था। जिस तेजस को स्वदेशी गर्व कहा गया वह अब सवालों का केंद्र बन गया।

इस हादसे से मनोवैज्ञानिक झटका

इस दुर्घटना ने देश की भावनाओं को झकझोर दिया है। लोग आक्रोशित भी हैं और व्यथित भी। सोशल मीडिया पर एक ही बात गूंज रही है कि तेजस सिर्फ विमान नहीं वह हमारा अपना स्वदेशी सपना था। इस सपने को न जाने किस की नजर लग गयी। सरकार ने कोर्ट ऑफ इनक्वायरी के आदेश दे दिए हैं। सत्य सामने आएगा चाहे वह टेक्निकल फेल्योर हो पायलट-प्रेशर हो या फिर अंतरराष्ट्रीय हथकंडा। लेकिन सच जो भी हो इतना तय है कि यह हादसा हमें तोड़ नहीं सकता। भारत ने पिछले सौ साल संघर्ष में बिताएं है और हर बार मजबूत बनकर उभरा है।

डिफेंस एक्सपर्ट ने व्यक्त की आशा

रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि अभी तक तेजस की परफॉर्मेंस शानदार रही है। न केवल एयरशो बल्कि विभिन्न मौकों पर तेजस ने अपनी क्षमता को साबित किया है। यह भारतीय वायु सेना में अपना स्थान बना चुका है। तेजस के आधुनिक वेरिएंट भारतीय वायु सेना में मिग लड़ाकू विमानों की जगह ले रहे हैं। रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि अब एक गहन जांच के बाद ही पता लग सकेगा कि आखिर किन कारणों से दुबई में भारत का यह भरोसेमंद लड़ाकू विमान हादसे का शिकार हुआ है।

यूट्यूब पर सर्च के दौरान पिता को पता चला

तेजस एक्सीडेंट में शहीद हुए विंग कमांडर नमन स्याल के पिता जगन नाथ स्याल ने बताया कि वह एयर शो के वीडियो के लिए स्क्रॉल कर रहे थे। हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले के रिटायर्ड स्कूल प्रिंसिपल स्याल के मुताबिक उन्होंने शो से एक दिन पहले अपने बेटे से बात की थी। विंग कमांडर नमन स्याल ने उन्हें बताया था कि टीवी चैनल या यूट्यूब पर एयर शो के दौरान उसकी दिनचर्या देखी जा सकती है। वह करीब 4 बजे यूट्यूब पर दुबई में चल रहे एयर शो के वीडियो सर्च कर रहे थे। तभी प्लेन फ्लाइट की रिपोर्ट देखने को मिली। मैंने तुरंत अपनी बहू को फोन किया जो विंग कमांडर भी है कि क्या हुआ। कुछ देर बाद कम से कम छह एयर फोर्स आफिसर हमारे घर आए और मुझे एहसास हुआ कि मेरे बेटे के साथ कुछ बुरा हुआ है।

ब्लैक बाक्स का इंतजार

आईएएफ दुबई एविएशन अथॉरिटीज के साथ कोऑर्डिनेट करने के साथ साथ ब्लैक बॉक्स को रिकवर करने की कोशिश में लगा है। ताकी क्रैश के पीछे की सही वजह का पता लगाई जा सके। एक पुराने फाइटर पायलट ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि फिलहाल ये बता पाना बहुत मुश्किल है कि क्रैश किस वजह से हुआ। लेकिन यह अचानक पावर लॉस या किसी जरूरी मोड पर कंट्रोल में खराबी की वजह से हो सकता है।

संस्कृत एक मृत भाषा है: उदयनिधि स्टालिन

विवादित बयान से तमिलनाडु में फिर मचा सियासी तूफान

» भाजपा ने डीएमके को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु के डिप्टी सीएम और डीएमके नेता उदयनिधि स्टालिन ने एक बार फिर तमिल-हिंदी पर विवादित बयान दिया है। उदयनिधि ने संस्कृत को मरी हुई भाषा बताकर तमिल के साथ पक्षपात करने का आरोप लगाया है। उन्होंने तमिल को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हालिया कमेंट्स पर निशाना साधा। डिप्टी सीएम के बयान पर बीजेपी नेता तिमिलसाई सुंदरराजन ने तीखी प्रतिक्रिया दी है।

बता दें कि उदयनिधि पहले भी सनातन धर्म को डेंगू बताने वाली टिप्पणी की थी, जिस पर देश की राजनीति में काफी बवाल मचा था। चेन्नई के एक कार्यक्र म में उदयनिधि स्टालिन ने संस्कृत भाषा को मृत भाषा बताकर राजनीतिक तूफान खड़ा दिया है। उदयनिधि ने कहा कि संस्कृत को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार ने तमिल को साइडलाइन कर दिया। उन्होंने पीएम मोदी से तीखे सवाल पूछते हुए कहा कि जब आप तमिल सीखने के लिए उत्सुक हैं, तो आप बच्चों को हिंदी और संस्कृत क्यों सिखा रहे हैं? उदयनिधि ने दावा किया कि केंद्र की बीजेपी सरकार ने पिछले दस सालों में संस्कृत के लिए 2400 करोड़ रुपये दिए हैं, लेकिन तमिल के लिए सिर्फ 150 करोड़ दिए। गौरतलब हो कि उदयनिधि स्टालिन पहले भी विवादित बयान दे चुके हैं।

उदयनिधि तमिल संस्कृति और धार्मिक भावना का अनादर करते रहे हैं: सुंदरराजन

उदयनिधि के बयान का तमिलनाडु बीजेपी ने विरोध किया है। बीजेपी नेता तेलंगाना की पूर्व गवर्नर तमिलिसाई सुंदरराजन ने कहा कि उदयनिधि तमिल संस्कृति और धार्मिक भावना का अनादर करते रहे हैं। तमिलिसाई ने कहा कि तमिल संस्कृति दूसरी भाषाओं को नीचा दिखाने का समर्थन नहीं करती है। उन्होंने कहा कि हम अपनी भाषा की तारीफ कर सकते हैं, लेकिन तमिल भी दूसरी भाषाओं को नीचा दिखाने की इजाजत नहीं देती है। सुंदरराजन ने कहा कि उन्होंने पहले भी सनातन धर्म का अपमान किया था। उदयनिधि एक ऐसी भाषा को टारगेट कर रहे हैं, जो हमारी सभी प्रार्थनाओं में इस्तेमाल होती है। बीजेपी नेता ने कहा कि मेरी तमिल मातृभाषा खुले विचारों वाली है और दूसरी भाषाएं बोलने वाले लोग इसकी तारीफ़ करते हैं। उन्हें अपनी बातें वापस लेनी चाहिए।

समाज में डर, घृणा और विभाजन फैलाने वालों को नकारें : गौरव गोगोई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गुवहटी। असम कांग्रेस प्रमुख गौरव गोगोई ने जुबिन गर्ग के मूल्यों को बनाए रखने का संकल्प गुवहटी। लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गोगोई ने जुबिन के 'बोर असम' सपने को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया, जिसके तहत उनका एक बड़ा, समावेशी असम बनाने का सपना था, जहां हर जाति, पंथ और धर्म के व्यक्ति के साथ समान व्यवहार किया जाए।

गोगोई ने पोस्ट में असम की शांति, एकता और सांस्कृतिक अखंडता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने लिखा, आज से, मैं असम के लोगों का चौकीदार बनूंगा। शांति और सद्भाव मेरे 'बोर असोम' (ग्रेटर असम) की नींव होगी। मैं मानवतावादी रहूंगा और सभी जाति, पंथ एवं धर्म के लोगों के प्रति समान सम्मान दिखाऊंगा। गोगोई ने समाज में डर, घृणा और विभाजन फैलाने वाली जातिवादी एवं सांप्रदायिक ताकतों का विरोध करने का भी संकल्प लिया।

सपा के पूर्व विधायक आरिफ अनवर हाशमी को राहत

» गैंगस्टर अधिनियम के तहत मामला रद्द

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने समाजवादी पार्टी (सपा) के पूर्व विधायक आरिफ अनवर हाशमी के खिलाफ बलरामपुर जिले की एक विशेष अदालत में लंबित गैंगस्टर अधिनियम के तहत मामला रद्द कर दी। न्यायमूर्ति सौरभ लवानिया की एकल पीठ ने हाशमी की याचिका को स्वीकार करते हुए यह आदेश पारित किया।

हाशमी के वकील मनोज कुमार मिश्रा ने दलील दी कि किसी व्यक्ति के खिलाफ 'गैंग चार्ट' केवल उन्हीं मामलों के आधार पर तैयार किया जा सकता है जिनमें जांच के बाद आरोप पत्र दायर किया गया हो। मिश्रा ने कहा कि

हाशमी के खिलाफ गैंग चार्ट में सूचीबद्ध तीन मामलों में चार्ट तैयार करते समय आरोप पत्र दायर नहीं किए गए थे। मामले की सुनवाई के बाद, अदालत ने हाशमी के खिलाफ गैंगस्टर अधिनियम की कार्यवाही को रद्द कर दिया। अदालत ने स्पष्ट किया कि चूंकि अब उन मामलों में आरोप पत्र दायर किए जा चुके हैं, इसलिए सरकार चाहे तो नयी कार्यवाही शुरू करने के लिए स्वतंत्र है।

भाजपा की नीति इस्तेमाल करो और फेंको : दिग्विजय

» कांग्रेस नेता ने जगदीप धनखड़ के स्वागत के लिए हवाई अड्डे पर किसी भाजपा के नेता के न पहुंचने पर ली चुटकी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने शुक्रवार को भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी का कोई भी नेता पूर्व उपराष्ट्रपति के स्वागत के लिए यहां हवाई अड्डे पर नहीं पहुंचा और यह पार्टी की 'इस्तेमाल करो और फेंको' नीति को दर्शाता है।

चार महीने पहले उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा देने के बाद, जगदीप धनखड़ ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के वरिष्ठ पदाधिकारी मनमोहन वैद्य की लिखी एक किताब के विमोचन कार्यक्रम में पहला सार्वजनिक संबोधन

दिया। हवाई अड्डे पर भाजपा नेताओं की गैरमौजूदगी पर प्रतिक्रिया देते हुए सिंह ने कहा कि भाजपा केवल उन्हीं लोगों को महत्वपूर्ण मानती है जो उसके हितों की पूर्ति करते हैं। उन्होंने संवाददाताओं से बात करते हुए कहा, यह इस्तेमाल करो और फेंकोकी नीति पर चलती है। राज्यसभा सदस्य ने कहा, मैं आरएसएस के बारे में यह नहीं कह सकता क्योंकि वह उनके कार्यक्रम में शामिल होने आए थे। सिंह ने यह भी कहा कि उन्होंने पूर्व उपराष्ट्रपति के साथ आए अधिकारी से धनखड़ से मिलने के लिए समय मांगा था। इससे पहले पूर्व उपाध्यक्ष जगदीप धनखड़ ने शुक्रवार को जुलाई में अपने अचानक इस्तीफे के बाद पहली बार सार्वजनिक रूप से बात की - उन्होंने आरएसएस को देश की सबसे स्थिर करने वाली ताकत कहा - जब उन्होंने भोपाल में संघ के संयुक्त महासचिव मनमोहन वैद्य की एक किताब का विमोचन किया। हम और यह विश्व के लॉन्च पर स्टेज पर आते ही धनखड़ ने लाइमलाइट से अपनी लंबी गैरमौजूदगी का कई बार जिक्र किया। उन्होंने कहा, चार महीने बाद, इस मौके पर, इस किताब पर, इस शहर में, मुझे बोलने में कोई झिझक नहीं होनी चाहिए।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन ज़ैदी

बुलडोजर जस्टिस सबसे अहम फैसला: गवई

» सीजेआई ने अपने विदाई समारोह में जताई मंशा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत के मुख्य न्यायाधीशबी. आर. गवई ने अपने विदाई समारोह में अपने कार्यकाल के सबसे महत्वपूर्ण फैसलों का जिक्र किया। उन्होंने बुलडोजर न्याय के खिलाफ अपने फैसले को सबसे अहम बताया। उन्होंने कहा कि यह फैसला कानून के शासन के खिलाफ है। उन्होंने यह भी बताया कि राज्यों को नौकरी आरक्षण के लिए एससी और एसटी का सब-क्लासिफिकेशन करने की अनुमति देने वाला फैसला भी उनके लिए बहुत महत्वपूर्ण था।

सीजेआई गवई ने कहा कि अगर उनसे पूछा जाए कि उन्होंने कौन सा फैसला सबसे महत्वपूर्ण लिखा है, तो वह निश्चित रूप से बुलडोजर न्याय के खिलाफ वाला फैसला होगा। उन्होंने समझाया कि बुलडोजर न्याय कानून के शासन के खिलाफ है। उन्होंने सवाल उठाया कि किसी व्यक्ति पर अपराध का आरोप लगने या दोषी ठहराए जाने मात्र से उसका घर कैसे तोड़ा जा सकता है? उन्होंने

समानता का मतलब सभी के साथ

डॉ. बी. आर. अंबेडकर का हवाला देते हुए, सीजेआई गवाई ने कहा कि समानता का मतलब सभी के साथ एक जैसा व्यवहार करना नहीं है। उन्होंने कहा कि ऐसा करने से और अधिक असमानता पैदा होगी। गवाई ने एक किस्सा सुनाया। उन्होंने बताया कि उनके एक लॉ क्लर्क थे, जो महाराष्ट्र के एक बड़े नौकरशाह के बेटे थे और एससी समुदाय से थे। सीजेआई ने कहा कि फैसला सुनाने के बाद, लॉ क्लर्क ने कहा कि वह आरक्षण का लाभ नहीं उठाएगा क्योंकि स्ष्ट समुदाय से होने के बावजूद उसे सारी सुविधाएं मिली हुई थी।

पूछा कि उसके परिवार और माता-पिता की क्या गलती है? उन्होंने जोर देकर कहा कि रहने का अधिकार एक मौलिक अधिकार है। बेंच ने आगे कहा, फैसला उन मामलों में भी लागू होता है जहां आरोपी गंभीर अपराधों के दोषी पाए गए हों। सुप्रीम कोर्ट ने इस बात पर जोर दिया कि किसी भी कार्रवाई में कानून का पालन, नागरिकों के अधिकार और प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत का पालन करना बहुत जरूरी है। गवई ने अपने कार्यकाल के दौरान बुलडोजर न्याय के खिलाफ दिए गए फैसले का जिक्र विदेशों में भी किया था।

बिहार में अब हो रहे साइड इफेक्ट सियासी भगदड़ सेट

शपथ लेते ही विपक्षी नेताओं पर हिंसक हमले शुरू

महागठबंधन में टूट के आसार? एनडीए में शामिल हो सकते हैं आईपी गुप्ता

» जांच एजेंसियों भी अपने काम पर लगीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में नई सरकार ने शपथ ले लिया है। नीतीश कुमार दसवीं बार राज्य के सीएम बन चुके हैं। उधर इन चुनावों के परिणामों के साइड इफेक्ट वहां की सियासत में दिखने लगा है। महागठबंधन में बड़ी टूट के आसार दिखाई देने लगे हैं। कुछ छोटे दल एनडीए के साथ जाने को तैयारी कर रहे हैं। इसी के साथ ही सामाजिक परिवेश में भी इन चुनावों के असर पड़ रहे हैं। कई विपक्षी नेताओं हिंसक हमले होने लगे हैं। इन सबको देखते हुए विपक्ष का कहना है कि सत्ता में आते ही एनडीए के समर्थक मनमानी कर रहे हैं। उधर पीके पर भी परेशानियां बढ़ने लगी हैं।

वहीं नीतीश सरकार सभी जातियों को साधते हुए उन्हें मंत्रिमंडल में जगह दी है। बिहार की राजनीति में एक बार फिर हलचल बढ़ गई है। इस बार महागठबंधन के भीतर से बड़े राजनीतिक उलटफेर के संकेत मिल रहे हैं। सहरसा से विधायक और इंडियन इंक्लूसिव पार्टी (आईआईपी के अध्यक्ष आईपी गुप्ता ने खुलकर कहा है कि उन्हें एनडीए की ओर से कॉल आया है और वे एनडीए में शामिल होने को तैयार हैं, लेकिन एक महत्वपूर्ण शर्त के साथ। गुप्ता का यह बयान महागठ बंधन की पहले से कमजोर होती स्थिति को और चुनौती देता दिखाई दे रहा है। 2025 के विधानसभा चुनाव में जन सुराज पार्टी एक भी सीट नहीं जीत पाई इसकी जिम्मेदारी प्रशांत किशोर ने सरकार पर सीधा हमला करते हुए कहा, सरकार ने चुनाव से ठीक पहले गरीब वोटरों को 10,000 देकर वोट खरीदा और 2 लाख रुपये देने का लोकलुभावन वादा कर जनता को भ्रमित किया। बिहार चुनाव में इस बार पैसे से वोट खरीदने का खुला खेल देखने को मिला। नीतीश कुमार पर तीखी टिप्पणी करते हुए कहा, उन्हें अब ईमानदार मुख्यमंत्री समझना मुश्किल हो गया है, क्योंकि सरकार में अपराधी प्रवृत्ति के लोगों को मंत्री बनाया गया है.।

पूरे वोटबैंक को महागठबंधन के घटक दलों को ट्रांसफर कराया

आईआईपी प्रमुख ने दावा किया कि विधानसभा चुनाव के दौरान उनकी पार्टी ने अपना पूरा वोट महागठबंधन के घटक दलों को ट्रांसफर कराया। उनके मुताबिक, एनडीए को यह वोटबैंक की ताकत पता है और इसी वजह से उन्हें एनडीए में आने का ऑफर मिल रहा है। आईपी गुप्ता ने यह भी कहा कि तांती समाज पहले से ही आर्थिक और सामाजिक तौर पर पिछड़ा है, इसलिए एससी कैटेगरी में शामिल करना आवश्यक है।

महागठबंधन को अपनी हार की करनी चाहिए समीक्षा

महागठबंधन की करारी हार पर टिप्पणी करते हुए आईपी गुप्ता ने कहा कि गठबंधन दलों को बैठकर यह समीक्षा करनी चाहिए कि आखिर चूक कहां हुई। उन्होंने साफ कहा कि जनता ने जो संदेश दिया है, उसे समझने और आत्ममंथन करने की जरूरत है। गुप्ता ने यह भी घोषणा की कि यदि एनडीएउनकी शर्त मान लेता है, तो एनडीए में शामिल होने से पहले वे महागठबंधन के वोटरों और दलों से सार्वजनिक रूप से माफी मांगेंगे। उनका कहना है कि एनडीएमें जाकर भी वे तांती-ततवा समाज और अपने क्षेत्रों के वोटरों के लिए लगातार काम करते रहेंगे।

तांती-ततवा समाज को मिले एससी का दर्जा : आईपी गुप्ता

आईपी गुप्ता ने कहा कि वे एनडीए में जाने के लिए तैयार हैं, पर उनकी साफ शर्त है कि तांती-ततवा समाज को एससी कैटेगरी में शामिल किया जाए। उनका कहना है कि यह निर्णय केंद्र सरकार ही ले सकती है और अगर उनकी यह मांग मान ली जाती है तो वे बिना देर किए एनडीए का दामन थाम लेंगे। उन्होंने बताया कि बिहार में तांती-ततवा समाज की जनसंख्या 80 लाख से 1 करोड़ के बीच है, लेकिन इन्हें उचित प्रतिनिधित्व नहीं मिला है।

भाजपा के 14 मंत्री,जदयू के कोटे से 8 मंत्रियों को जगह मिली

बिहार में नीतीश कुमार ने 10वीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली है। उनके साथ 26 अन्य मंत्रियों ने भी शपथ ली। इनमें भाजपा के कोटे से 14 मंत्री, जदयू के कोटे से 8 मंत्रियों को जगह मिली है। वहीं, चिराग पासवान की लोजपा (रामविलास) को दो मंत्री पद मिले हैं। जीतनराम मांझी की हम पार्टी को एक मंत्री पद और उपेंद्र कुशवाहा की लोक मोर्चा (रालोमो) को भी एक मंत्री पद मिला है। बिहार विधानसभा चुनाव की मतगणना 14 नवंबर को हुई थी। इसमें एनडीए को 202 सीटें मिलीं। भाजपा को सबसे ज्यादा 89, जदयू को 85, चिराग पासवान की लोजपा (रामविलास) को 19, जीतनराम मांझी की हम को 5 और रालोमो को 4 सीटें मिलीं। इसके बाद यह तय हुआ कि पहले से तय फॉर्मूला के तहत नीतीश कुमार ही मुख्यमंत्री बनेंगे। साथ ही सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा उपमुख्यमंत्री बने रहेंगे।

नई सरकार के शपथ ग्रहण की अगली सुबह बिहार में विपक्षी दल के नेता की हत्या

मोतिहारी में बिहार विधानसभा चुनाव समाप्त होते ही एक बार फिर अपराधियों का तांडव शुरू हो गया है। जिले के दरपा थाना क्षेत्र के तिनकोनी गांव में शुक्रवार की अहले सुबह वीआईपी (विकासशील इंसान पार्टी) के प्रखंड अध्यक्ष कामेश्वर सहनी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना के अनुसार, सुबह करीब 7 बजे कामेश्वर सहनी शौच कर लौटने के बाद अपने दरवाजे पर हाथ धो रहे थे। उसी दौरान बाइक पर सवार दो अज्ञात अपराधी पहुंचे और उन पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक कामेश्वर सहनी वीआईपी पार्टी के प्रखंड अध्यक्ष थे और उनका पूर्व में आपराधिक इतिहास भी रहा है। जानकारी के मुताबिक, वे पहले नक्सली के रूप में भी जाने जाते थे और उनके ऊपर आधा दर्जन से अधिक आपराधिक मामले दर्ज थे। हत्या की जानकारी मिलते ही दरपा थाना पुलिस सहित आसपास के कई थानों की टीम मौके पर पहुंच गई और जांच शुरू कर दी। रक्सौल के एसडीपीओ मनीष आनंद भी घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की तफ्तीश में जुटे हुए हैं। मोतिहारी के प्रभारी एसपी विनय तिवारी ने बताया कि मामले की गहन जांच की जा रही है और जल्द ही अपराधियों को पकड़ लिया जाएगा।

जातिगत समीकरण का पूरा ध्यान

मंत्रिमंडल में एनडीए ने जातिगत समीकरण का पूरा ध्यान रखा है। बीजेपी, जेडीयू, लोजपा (आर), आरएलएम और हम ने जातियों के आधार पर मंत्रिमंडल में विधायकों को मौका दिया। नीतीश कुमार कैबिनेट में कुल चार राजपूत, दो भूमिहार, एक ब्राह्मण, एक कायस्थ, तीन कुशवाहा, 2 कुर्मी, 2 वैश्य, 2 यादव, दो मुसलमान, 2 मल्लाह, 5 दलित और एक ईबीसी समुदाय से सदस्य को मौका दिया गया है। बीजेपी से सम्राट चौधरी - मुंगेर - कुशवाहा ,विजय सिन्हा - लखीसराय - भूमिहार ,दिलीप जायसवाल - वैश्य - किशनगंज ,मंगल पांडे - ब्राह्मण - सिवान ,नितिन नवीन - कायस्थ - पटना ,सुरेंद्र मेहता - कुशवाहा - बेगूसराय ,संजय टाइगर - राजपूत - आरा,लखेंद्र पासवान- पासवान - वैशाली, श्रेयसी सिंह - राजपूत - जमुई ,अरुण शंकर प्रसाद- सुढ़ी- मधुबनी-राम कृपाल यादव - यादव - पटना ,रमा निषाद - मल्लाह- मुजफ्फरपुर ,नारायण शाह - बनिया- चंपारन ,प्रमोद कुमार चंद्रवंशी - अति पिछड़ा - औरंगाबाद और दो महिला नए चेहरे। वहीं जेडीयू नीतीश कुमार - कुर्मी - नालंदा,अशोक चौधरी- दलित - पटना ,लेसी सिंह- राजपूत - पूर्णिया ,सुनील कुमार- दलित - गोपालगंज विजेंद्र यादव- यादव- सुपौल ,श्रवण कुमार- कुर्मी - नालंदा, विजय चौधरी- भूमिहार- समस्तीपुर ,मदन साहनी- मल्लाह - दरभंगा ,जमा ख़ान- मुस्लिम- कैमूर ,एलजेपी (आर)से संजय पासवान - पासवान- बेगूसराय ,संजय सिंह - राजपूत - वैशाली ,हम संतोष कुमार सुमन - दलित - गया ,आरएलएम दीपक प्रकाश - कुशवाहा - नॉन इलेक्टेड को शामिल किया है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

अनियोजित विकास पर रोक से बचेगा पर्यावरण

सरकारों द्वारा नियोजन की की वजह से जो शहरों के मास्टरप्लान को धरातल पर नहीं आए जिसकी परिणाम अनियोजित विकास व पर्यावरण को नुकसान पहुंचा। हाल ही पारित निर्णय से उच्चतम न्यायालय ने जहां पर्यावरण स्वीकृति के अभाव में जन सुविधाओं संबंधित परियोजनाओं को कार्योत्तर स्वीकृति संबंधी प्रावधान को उचित ठहराया है वहीं पर्यावरण स्वीकृति में हो रहे विलंब के कारण हुई अनदेखी को भी इस प्रकार से न्यायोचित अधिकार प्रदान करने का निर्णय किया है। एक महत्वपूर्ण विचार यह भी उभर कर आता है कि गैर कानूनी रूप से किए गए निर्माण एवं विकास परियोजनाओं को पूरा होने के उपरांत जनसुविधा या आर्थिक आधार पर अनुमति देने की छूट क्यों दी जानी चाहिए? पर्यावरण और विकास में क्या महत्वपूर्ण है और उसके मध्य में संतुलन कैसे बैठे, यह विवाद अंतरराष्ट्रीय से लेकर स्थानीय स्तर तक लंबे अरसे से चल रहा है।

इसी क्रम में 18 नवंबर 2025 को उच्चतम न्यायालय द्वारा पूर्व में 16 मई 2025 को पारित वनशक्ति निर्णय को वापस लेने के आदेश के बाद इस मुद्दे ने नया मोड़ लिया है। अहम प्रश्न पर्यावरण कानूनों की प्रासंगिकता पर भी है। कार्योत्तर स्वीकृतियों के माध्यम से पर्यावरण के विरुद्ध विकसित परियोजनाओं के प्रति मात्र आर्थिक आधार पर आंखें मूंदने की स्वीकृति कहीं नवीन अराजकता को जन्म न दे दे। वैसे भी, कार्यपालिका के किसी भी स्तर पर दी गई लेशमात्र की गुंजाइश का किस तरीके से दुरुपयोग किया जाता है, यह किसी से भी छिपा नहीं है। शहरी क्षेत्रों में नित्यप्रति के हो रहे अतिक्रमण और कानून विरुद्ध निर्माण इसका जीता जागता उदाहरण है। यदि प्रक्रि या का गहराई से अध्ययन करें तो पर्यावरण संबंधी स्वीकृतियों में विलंब का मूल कारण कार्यकारी स्तंभ द्वारा अपने दायित्व से जानबूझकर अथवा सोची समझी साजिश के तहत प्रस्तुत आवेदनों को संसाधनों की कमी का हवाला देते हुए लटकाया जाना है। हालांकि स्वीकृति प्रदान करने के लिए समय सीमा का निर्धारण किया गया है किंतु उनकी पालना अपवाद स्वरूप ही होती है। वनशक्ति निर्णय के अनुसार पर्यावरण बाबत कार्योत्तर स्वीकृति पर पाबंदी लगाते हुए, उसके अभाव में हुए निर्माण आदि को ध्वस्त किया जाना था। इससे पूरा निर्माण उद्योग ही सकते में आ गया क्योंकि बहुतायत में बड़ी परियोजनाएं कार्योत्तर स्वीकृति की प्रत्याशा में ही अंजाम दी जा रही थीं। उक्त निर्णय से उनके अस्तित्व पर ही संकट खड़ा हो गया किंतु इसके साथ ही एक कठोर संदेश भी प्रसारित हुआ कि शासन को जड़ न रहकर अपने दायित्व का वहन करना है ताकि कानूनों की अनुपालना के प्रति सचेत रहा जा सके। वैसे भी भारत में भय बिन होय ना प्रीत सिद्धांत के आधार पर ही शासन व्यवस्था संचालित की जाती रही है।

अहम प्रश्न पर्यावरण कानूनों की प्रासंगिकता पर भी है। कार्योत्तर स्वीकृतियों के माध्यम से पर्यावरण के विरुद्ध विकसित परियोजनाओं के प्रति मात्र आर्थिक आधार पर आंखें मूंदने की स्वीकृति कहीं नवीन अराजकता को जन्म न दे दे। वैसे भी, कार्यपालिका के किसी भी स्तर पर दी गई लेशमात्र की गुंजाइश का किस तरीके से दुरुपयोग किया जाता है, यह किसी से भी छिपा नहीं है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

मानवीय स्वास्थ्य और फसलों के लिए चुनौती

पंकज चतुर्वेदी

बीते दो सालों में ठंड के मौसम में पहाड़ों पर बर्फ देर से गिरी और ठंड भी कम हुई, लेकिन इस बार भारतीय मौसम विभाग और अंतर्राष्ट्रीय मौसम एजेंसियों के पूर्वानुमान इस ओर इशारा कर रहे हैं कि इस वर्ष की सर्दी सामान्य से अधिक ठंडी और लंबी अवधि वाली हो सकती है। यह संभावित 'शीत लहर' भारत के जलवायु, कृषि, जंगलों और वन्यजीवों के लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती प्रस्तुत कर सकती है। नवंबर के तीसरे हफ्ते की शुरुआत में ही राजस्थान, मध्य प्रदेश और उड़ीसा के कुछ जिलों में ठंड का येलो अलर्ट जारी कर दिया गया है। इस वर्ष कड़ाके की ठंड पड़ने की आशंका के पीछे सबसे बड़ा कारण ला नीना मौसमी परिघटना का मजबूत होना है। ला नीना, एल नीनो-दक्षिणी दोलन चक्र का वह चरण है जब भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर की सतह का तापमान सामान्य से 0.5 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक कम हो जाता है।

ला नीना उत्तरी गोलार्ध के वायुमंडलीय परिसंचरण पैटर्न को प्रभावित करता है। इसके कारण, साइबेरियाई उच्च दबाव प्रणाली मजबूत होती है और उत्तरी-पश्चिमी ठंडी और शुष्क हवाएं भारतीय उपमहाद्वीप में अधिक तेजी और तीव्रता से प्रवेश करती हैं। यह प्रवाह शीत लहर की आवृत्ति और अवधि को बढ़ा देता है। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार 2020-21 की सर्दियों में, दिल्ली में दिसंबर में कई दिन 3.4 डिग्री सेल्सियस तक तापमान दर्ज हुआ था, जो सामान्य से काफी कम था। पश्चिमी विक्षोभ और उच्च हिमालयी बर्फबारी भी इस साल अपनी करामात दिखाएगी। इस वर्ष ला नीना के साथ-साथ भूमध्यसागरीय क्षेत्र से आने वाले पश्चिमी विक्षोभ के भी अधिक सक्रिय रहने की संभावना है। ये विक्षोभ जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में भारी और लगातार बर्फबारी करा सकते हैं। पहाड़ों पर जमा यह विशाल हिम भंडार मैदानी इलाकों में ठंडी हवाओं के लिए एक निरंतर स्रोत का काम करता है। कड़ाके की ठंड देश की रबी की फसलों, मुख्यत: गेहूं, सरसों और दलहन पर सीधा असर डालती है।

लेकिन गेहूं की वानस्पतिक वृद्धि और दाना भरने की प्रक्रिया के लिए 10 डिग्री सेल्सियस से 20 डिग्री सेल्सियस के बीच का तापमान आदर्श माना जाता है। लंबी अवधि की ठंड फसल को पर्याप्त चिलिंग आवर प्रदान करती है, जिससे उसकी गुणवत्ता और पैदावार में

वृद्धि हो सकती है। वहीं, पाला पड़ने से नकारात्मक प्रभाव पड़ने का खतरा है। यदि तापमान जमाव बिंदु से नीचे गिर जाता है तो पौधों की कोशिकाओं में मौजूद पानी जम जाता है, जिससे उनके ऊतक नष्ट हो जाते हैं। इसके साथ ही पाला-संवेदनशील फसलें जैसे कि आलू, टमाटर, मटर, बैंगन जैसी सब्जियों, पपीता और केला जैसे फलों और सरसों की फूलों वाली अवस्था को सबसे अधिक नुकसान पहुंचाता है। वहीं, मौसम विभाग पाला पड़ने की संभावना पर समय-समय पर चेतावनी जारी करता है। कृषि विभाग किसानों को रात में हल्की सिंचाई, खेत की मेड़ों पर धुआं करना और सल्फर आधारित फफूंदीनाशकों का छिड़काव करने की सलाह देता है। अत्यधिक ठंड और भारी बर्फबारी जंगल के पारिस्थितिकी तंत्र को बदल देती है और वन्यजीवों के जीवन को सीधे प्रभावित करती है। निचले और मध्य हिमालयी क्षेत्रों में, ठंड का अचानक बढ़ना पत्तियों के गिरने की प्रक्रिया को तेज कर सकता है। इसे पर्णपाती चक्र कहते हैं। इसके अलावा, ठंड के अत्यधिक होने से जंगली आग का जोखिम बढ़ जाता है। अत्यंत शुष्क और ठंडी हवाएं जंगल के फर्श पर गिरी पत्तियों और झाड़ियों को पूरी तरह से सुखा देती हैं, जिससे शीतकालीन जंगल की आग का खतरा बढ़ जाता है, खासकर मानवीय लापरवाही से। अधिक ठंड के चलते जंगल के जानवर भी इससे अच्छे-खासे प्रभावित होते हैं। अधिक ऊंचाई पर रहने वाले जानवर जैसे हिम तेंदुआ और हिमालयी भूरा भालू जैसे जानवर बर्फबारी के लिए अनुकूलित होते हैं, लेकिन अत्यधिक और लगातार बर्फबारी उनके शिकार के रास्ते बंद कर देती है, जिससे उन्हें भोजन की तलाश में निचले इलाकों में आने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है, जिससे मानव-वन्यजीव संघर्ष बढ़ता है।

यही नहीं, शीत-निष्क्रियता में जाने वाले सांपों, छिपकलियों और कीड़ों के जीवन चक्र पर गहरा असर पड़ता है, जो बदले में पक्षियों और छोटे शिकारियों की खाद्य शृंखला को बाधित करता है। शीत लहर का सबसे सीधा प्रभाव मानव स्वास्थ्य और सार्वजनिक व्यवस्था पर पड़ता है। महानगरों में जलवायु, कोहरा और वायु प्रदूषण इसका स्थायी कुप्रभाव है। स्मॉग, ठंडी, स्थिर हवाएं, वायुमंडलीय प्रदूषकों जैसे पीएम 2.5 और पीएम 10 को सतह के पास फंसा लेती हैं। कम तापमान इस स्थिति को और गंभीर बनाता है।

बच्चों की उम्र के मुताबिक तय हो एआई अपनाना

अविजित पाठक

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) अब यहां आ चुकी है, और ऐसा लगता है कि आपको और मुझे, आज नहीं तो कल, इससे समझौता करना ही पड़ेगा। फिर भी, यह बात मुझे परेशान करती है कि कक्षा तीन (मुश्किल से नौ साल का बच्चा) के छात्रों को भी एआई एक अनिवार्य विषय के रूप में अब सीखना पड़ेगा। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने फैसला लिया है कि 2026-27 के शैक्षणिक सत्र से कक्षा तीन से आगे के सभी छात्रों के लिए एआई पढ़ाया जाए। इस कदम के अर्थ को गहराई से समझने के लिए, या जिसको शिक्षा मंत्रालय 'आधुनिक इतिहास में महत्वपूर्ण पाठ्यक्रम सुधारों में से एक' ठहरा रहा है, इस पर, जीवन की लय, तकनीक, संस्कृति और शिक्षा शास्त्र से संबंधित दो मुद्दों पर विचार करना जरूरी हो जाता है।

शुरुआत करते हुए, यह समझना जरूरी है कि इस अति-आधुनिक समय में, हम तकनीकी नवाचार के हर नए हिस्से को अंगीकार करने के लिए लगभग मजबूर हैं - और अक्सर, बिना जरा सी भी अस्पष्टता के। हालांकि, यह बाध्यता अक्सर एक प्रकार के प्रलोभन में बदल जाती है। तीन साल के बच्चों को भी स्मार्टफोन से 'खेलते' देखना कोई असामान्य बात नहीं है; और स्क्रीन की इस लत के परिणाम में उसके लिए खुले, विशाल आकाश को निहारना, किसी पेड़ को देखना, किसी पक्षी को उड़ते हुए देखकर रोमांचित होना या किसी फूल और तितली की लयबद्ध अठखेली को महसूस करना लगातार मुश्किल होता जा रहा है। जी हां, तकनीकी उपकरण मानो उनकी आत्मा में घर कर चुके हैं। चूंकि हम जीवन के लगभग हर क्षेत्र में तकनीक की इस घुसपैठ को सामान्य मानने लगे हैं, इसलिए कोई हैरानी नहीं कि सीबीएसई भी यह महसूस करता है कि कक्षा तीन के बच्चों को भी पीछे नहीं रहना चाहिए, और उन्हें एआई के बुनियादी अवयव 'खेल-खेल में/संवादात्मक' तरीकों से सीखने शुरू कर देने चाहिए।

फिर, एआई को कौन 'न' कह सकता है, खासकर जब तकनीकी-कॉर्पोरेट वाला कुलीन वर्ग और बाजार-संचालित विज्ञापन तंत्र हमें इसकी 'क्रांतिकारी' क्षमता के बारे में लगातार याद दिलाते रहते हैं? और संभवत:, कई महत्वाकांक्षी माता-पिता यह भी सोचते हैं कि इस तेजी से बदलती दुनिया में, यदि उनके बच्चे जल्द से जल्द एआई के साथ सहज महसूस नहीं करेंगे, तो वे पिछड़ जाएंगे और डेटा विश्लेषण, रोबोटिक्स एवं डिजाइन नवाचार जैसे नए उभरते क्षेत्रों से कदमताल करने में असफल हो जाएंगे! हालांकि, इस तकनीकी आकर्षण के बीच, हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि शिक्षा के क्षेत्र में एआई के उपयोग के बारे में जरूरी नहीं कि सब कुछ आशाजनक ही हो। प्रमुख आईआईटी और आईआईएम के प्रोफेसरों ने इस प्रवृत्ति पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। हाल ही में, आईआईटी-दिल्ली के निदेशक प्रोफेसर रंजन बनर्जी ने अपने छात्रों को याद दिलाया कि 'एआई पर अत्यधिक निर्भरता आलोचनात्मक सोच कौशल जैसे आवश्यक शिक्षण परिणामों में बाधा डाल सकती है'।

इसी तरह, आईआईएम में, जैसाकि एक प्रोफेसर ने गहरी पीड़ा के साथ पाया है, कुछ छात्र एआई प्लेटफॉर्म से फील्ड स्टडी तैयार करने का अनुरोध कर रहे हैं। दरअसल, जब अन्यथा ये प्रतिभाशाली छात्र अपनी आलोचनात्मक/रचनात्मक सोच को त्यागकर एआई-मध्यस्थता वाले असाइनमेंट तैयार करने के लिए प्रलोभित होते हैं, तो वे खुद को उन चीजों से वंचित कर लेंगे जो उन्हें मानवीय बनाती हैं। उनकी व्यक्तिपरकता, उनका अभिकरण , उनका अनुभवजन्य ज्ञान, उनकी 'अपूर्णता', उनका कठिन बौद्धिक श्रम, और सबसे बढ़कर, गलतियां करने का उनका अधिकार। इसे स्वीकार करें, एआई को लेकर अत्यधिक महिमामंडन के पीछे एक कठोर तथ्य छिपा है। जैसा कि इस्राइली इतिहासकार युवाल नोआ हरारी हमें आगाह करते हैं, यह ऐसी स्थिति पैदा कर सकता है जिसमें मनुष्य अपने ही आविष्कार पर नियंत्रण खो सकते हैं। क्या यह भयावह नहीं है? इसके अलावा, बतौर शिक्षक, मैं अक्सर खुद से पूछता हूं , कक्षा तीन के बच्चों को अपने संज्ञानात्मक, मानसिक, सौंदर्यपरक और बौद्धिक विकास के लिए वास्तव में क्या चाहिए? क्या यह एआई है या कुछ और? सबसे पहले, आइए हम यह स्वीकार करें कि स्कूली शिक्षा के मूल अर्थ को बदले बिना, कोई भी तकनीक बच्चों में सक्रिय सीखने की रुचि नहीं जगा सकती।

स्कूलों को जेलों जैसा न बनने दें; स्कूलों को हमारे बच्चों को इस तरह 'बांधने' न दें कि वे अपनी सरलता, जिज्ञासा, आश्चर्य और खिलंदड़पन खो दें। बेशक, उन्हें थोड़ा-बहुत बुनियादी गणित सीखना चाहिए। उन्हें पढ़ना, लिखना और अपनी बात कहना सिखाने की जरूरत है। उनके लिए साझेदारी बनाना, दूसरों से जुड़ना और समूह में काम करना सीखना भी उतना ही जरूरी है। उन्हें रोजमर्रा की गतिविधियों के जरिये बुनियादी अंकगणित सीखने दें, जिनमें जोड़, घटाव, गुणा, भाग और कुछ तरह का नाप या माप करना शामिल हो। एटलस, ग्लोब और कहानी सुनाने की कला के साथ खेलकर उन्हें बाहर की दुनिया में अपनी रुचि विकसित करने दें। उन्हें अच्छी/रंगीन किताबें देखने, छूने, इनकी गंध महसूस करने और पढ़ने दें, और पढ़ने का शौक विकसित करने दें। उन्हें अवलोकन करने और तर्क करने की क्षमता विकसित करने दें। उन्हें अपने हाथों और पैरों से काम करने दें। और सबसे ऊपर, उन्हें खेलने दें और अपनी शारीरिक/गतिज ऊर्जा को धार देने दें। उन्हें कोई फूल, कोई पेड़, कोई नदी निहारते हुए आश्चर्य और रहस्य का अनुभव करने दें।

ध्यान बढ़ाने के लिए करें ये योगासन

आज की तेज-रफ्तार जिंदगी में लोग अक्सर ध्यान केंद्रित करने और चीज़ों को याद रखने में कठिनाई महसूस करते हैं। चाहे पढ़ाई हो, दफ्तर का काम हो या रोजमर्रा की जिम्मेदारियां हो, सभी कुछ के लिए ध्यान केंद्रित करने की क्षमता और याददाश्त मजबूत होना बहुत जरूरी है। दवाइयों और सप्लीमेंट्स के बजाय योगासन और प्राणायाम ऐसे प्राकृतिक उपाय हैं, जो दिमाग को शांत, ऊर्जा से भरपूर और याददाश्त को तेज बनाते हैं। योग केवल शरीर को स्वस्थ नहीं रखता बल्कि मानसिक स्पष्टता और एकाग्रता को भी बेहतर करता है। विद्यार्थी, पेशेवर और बुजुर्ग सभी योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करके मानसिक शक्ति का लाभ ले सकते हैं।

भुजंगासन

थकान दूर करता है और मस्तिष्क को ऊर्जा देता है। रीढ़ की हड्डी को मजबूत करने और पीठ के दर्द को कम करने में यह आसन बेहद लाभकारी है। यह शरीर में नई ऊर्जा का संचार करता है और पाचन तंत्र को दुरुस्त रखता है। सुबह इसका अभ्यास करने से शरीर हल्का और मन शांत रहता है। भुजंगासन को करने के लिए सबसे पहले पेट के बल यलेट जाएं। अपने दोनों हाथों को कंधों के नीचे ज़मीन पर टिकाएं। हथेलियां नीचे की तरफ रहें और कोहनियां शरीर के पास हों। अब धीरे-धीरे सांस लेते हुए अपने सिर और छाती को ऊपर उठाएं। आपकी नजर सामने की ओर होनी चाहिए. ध्यान रखें कि पेट ज़मीन पर ही टिका रहे और केवल छाती ऊपर उठे। इस स्थिति में कुछ देर रुकें।

पद्मासन

पद्मासन दो शब्दों पद्म और आसन से मिलकर बना है। पद्म का मतलब कमल होता है यानी इस योगासन में साधक कमल के पुष्प के समान नजर आता है। इसे अंग्रेजी में लोट पोज के नाम से जाना जाता है। पद्मासन में बैठने से मन, तन और आत्मा को शांत मिलती है। शरीर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। और ध्यान केंद्रित करने की क्षमता बढ़ाता है। इसके अभ्यास से एकाग्रता बढ़ती है। साथ ही तनाव और चिंता कम होती है। अगर आपको अक्सर माइग्रेन की समस्या रहती है, तो रोजाना पद्मासन योग का अभ्यास करना लाभदायक हो सकता है। पद्मासन योग का अभ्यास मानसिक और शारीरिक, दोनों तरह के स्वास्थ्य लाभ के लिए किया जा सकता है। इस आसन को करने के लिए सबसे पहले पैरों को सामने फैलाते हैं फिर एक पैर को उठाकर दूसरे पैर की जंघा के ऊपर रखते हैं। तलवा ऊर्ध्वमुखी रहे तथा एड़ी के अग्रभाग के निचले हिस्से को स्पर्श करे। यही क्रिया दूसरे पैर से भी करें। अंतिम अवस्था में दोनों घुटने जमीन के संपर्क में रहते हैं। सिर तथा पीठ को बिना जोर लगाए सीधा रखने का प्रयास करें। आंखों को बंद करें। इसे ही पद्मासन कहते हैं।

वृक्षासन

संतुलन साधने वाला यह आसन मानसिक स्थिरता और एकाग्रता बढ़ाता है। यह आसन संतुलन और एकाग्रता को बढ़ाने के लिए श्रेष्ठ है। वृक्षासन से मन स्थिर होता है और आत्मविश्वास बढ़ता है। दिन की शुरुआत वृक्षासन से करने पर मानसिक शांति और एकाग्रता पूरे दिन बनी रहती है।

याददाश्त भी होगी तेज

सर्वांगासन

दिमाग तक रक्त संचार को बढ़ाकर स्मरण शक्ति और फोकस को मजबूत करता है। सर्वांगासन करते समय पीठ के बल लेट जाएं। दोनों पैर आपस में जोड़ते हुए बांहों और हथेलियों को जमीन की दिशा में रखें। हथेलियों से जमीन को दबाते हुए दोनों पैरों को छत की दिशा में सीधी उठाएं। हिप्स और कमर को जमीन से ऊपर उठाते हुए कोहनी को मोड़कर कमर पर रखें। अपने हाथों से सहारा देकर शरीर को 90 अंश के कोण में रखें। कुछ सेकेंड इसी अवस्था में रहें। सर्वांगासन करना हमारी हार्ट हेल्थ के लिए भी फायदेमंद है। यह योगासन करने से हार्ट तक ब्लड और ऑक्सीजन ठीक से फ्लो हो पाती है। यह नसों को खोलने और हार्ट हेल्थ को बूस्ट करने में मदद करता है। इस योगासन के अभ्यास से दिल से जुड़ी बीमारियां कम होती हैं।

हंसना मना है

पप्पू जलेबी बेच रहा था, लेकिन कह रहा था, आलू ले लो आलू ले लो... राहगीर- लेकिन ये तो जलेबी है, पप्पू- चुप हो जा! वरना मक्खियां आ जाएंगी।

एक दोस्त ने पूछा-'यार तुम्हारी बीबी काफी खूबसूरत एवं सुशील है, फिर आप उससे तलाक क्यों लेना चाहते हो?'दूसरे दोस्त ने जवाब दिया-'भाई, जो जूता मैं पहने हूं, वह भी काफी खूबसूरत दिखता है, पर केवल मैं ही जानता हूं कि ये मुझे काटता है।'

एक पागल बैठा खुद गालों पर तमाचे मार रहा था। एक सज्जन उसके नजदीक आकर बोले-'अरे भाई, पागल है क्या, जो खुद ही हाथों से अपने को पीटे जा रहा है।' पागल उठा एवं सज्जन के गालों पर तमाचे मारने लगा।

पत्नी- बैंक में लाइन में खड़ा होने के बाद भी पैसा नहीं मिला, संता- गुस्सा करता हुआ बोला और तुम पागलों जैसी यूं ही आ गई? उनका कुछ नहीं कर पाई? मुझ पर तो आज तक 15 बेलन तोड़ चुकी हो, कम से कम एक बेलन उन पर तोड़ आती, उनको भी तो कुछ मालूम पड़ता। पत्नी- बहुत ही धीरे से बोली- बेलन तो आज एक और टूटेगा! पैसा बैंक में था, तुम्हारे खाते में नहीं था।

कहानी | लालची बिल्ली और बंदर

एक जंगल में सभी जानवर मिलजुल कर रहा करते थे। सभी नियम का पालन करते और हर त्योहार साथ में मनाते थे। उन्हीं जानवरों में चीनी और मिनी नाम की दो बिल्लियां भी थीं। वे दोनों बहुत अच्छी सहेलियां थीं। बीमारी में एक दूसरे का ख्याल रखती थीं। सभी जानवर उनकी दोस्ती की तारीफ किया करते थे। एक बार मिनी को किसी काम से बाजार जाना पड़ा, लेकिन चीनी उसके साथ नहीं जा सकी। चीनी का अकेले मन नहीं लग रहा था, तो उसने सोचा कि क्यों न वो भी बाजार घूम कर आए। रास्ते में एक रोटी का टुकड़ा मिला। उसके मन में अकेले रोटी खाने का लालच आ गया और वो उसे लेकर घर आ गई। जैसे ही वह रोटी खाने वाली थी, तभी अचानक मिनी आ गई। मिनी ने उसके हाथ में रोटी देखी, तो उसने पूछा चीनी हम तो सब कुछ बांटकर खाते हैं और तुम तो मेरे साथ ही खाना खाती थी। क्या आज तुम मुझे रोटी नहीं दोगी? चीनी ने मिनी को देखा तो डर गई। चीनी ने कहा कि अरे नहीं बहन मैं तो रोटी को आधा-आधा कर रही थी, ताकि हम दोनों को बराबर रोटी मिल सके। मिनी सब समझ गई थी लेकिन कुछ बोली नहीं। जैसे ही रोटी के टुकड़े हुए, मिनी चीख पड़ी कि मेरे हिस्से में कम राटी आई है। रोटी चीनी को मिली थी इसलिए, वो उसे कम देना चाहती थी। फिर भी वो बोली कि रोटी तो बराबर ही दी है। इस बात को लेकर दोनों में झगड़ा हो गया। सभी जानवर उन दोनों को लड़ते हुए देख रहे थे। उसी समय वहां एक बंदर आया और उसने कहा कि मैं दोनों के बीच में बराबर रोटी बांट दूंगा। सभी जानवर बंदर की हां में हां मिलाने लगे। न चाहते हुए भी दोनों ने बंदर को रोटी दे दी। बंदर कहीं से तराजू लेकर आया और दोनों ओर रोटी के टुकड़े रख दिए। जिस तरफ वजन ज्यादा होता, वो उस तरफ की थोड़ी-सी रोटी यह बोलकर खा लेता कि इस रोटी को दूसरी तरफ रखी रोटी के वजन के बराबर कर रहा हूं। वो जानबूझकर ज्यादा रोटी का टुकड़ा खा लेता, जिससे दूसरी तरफ की रोटी वजन में ज्यादा हो जाती। ऐसा करने से दोनों ओर रोटी के बहुत छोटे-छोटे टुकड़े बचे। बिल्लियों ने जब इतनी कम रोटी देखी तो बोलने लगीं कि हमारी रोटी के टुकड़े वापस दे दो। हम बची हुई रोटी को आपस में बांट लेंगे। तब बंदर बोला कि अरे वाह, तुम दोनों बहुत चालाक हो। मुझे मेरी मेहनत का फल नहीं दोगी क्या। ऐसा बोलकर बंदर दोनों पलड़ों में बची हुई रोटी के टुकड़ों को खाकर चला गया और दोनों बिल्लियां एक दूसरे का मुंह ताकती रह गईं।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

प्रसन्नता तथा संतुष्टि रहेगी। यात्रा मनोरंजक हो सकती है। व्यापार-व्यवसाय में नए प्रयोग किए जा सकते हैं। समय की अनुकूलता का लाभ लें। धन प्राप्ति सुगम होगी।

वृषभ

आय में निश्चितता रहेगी। समय शीघ्र सुधरेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। बेवजह कहासुनी हो सकती है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। थकान व कमजोरी रह सकते हैं।

मिथुन

यात्रा सफल रहेगी। शत्रु सक्रिय रहेंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे। किसी दूसरे व्यक्ति के काम में हस्तक्षेप न करें। विवाद होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

कर्क

भूले-बिसरे साथियों व संबंधियों से मुलाकात होगी। कारोबार में अनुकूलता रहेगी। आत्मसम्मान बना रहेगा। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। स्वास्थ्य कमजोर रह सकता है।

सिंह

नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति हो सकती है। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। यात्रा लाभदायक रहेगी। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड मनोनुकूल लाभ देगा। प्रसन्नता का वातावरण रहेगा।

कन्या

कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। बेकार बातों पर बिलकुल ध्यान न दें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

तुला

नए अनुबंध होंगे। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। समय की अनुकूलता रहेगी, लाभ लें। नया काम मिलेगा।

वृश्चिक

तत्काल लाभ नहीं होगा। निवेश में जल्दबाजी न करें। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। रुके कार्यों में गति आएगी। कार्यस्थल पर सुधार व परिवर्तन हो सकता है।

धनु

कारोबार में वृद्धि होगी। आसपास का वातावरण सुखद रहेगा। पार्टनरों तथा भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। विवाद को बढ़ावा न दें। विवेक का प्रयोग करें।

मकर

आय बनी रहेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। व्यापार-व्यवसाय की गति धीमी रहेगी। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें।

कुम्भ

व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। कारोबार लाभदायक रहेगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा।

मीन

आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। भाग्य का साथ मिलेगा। चारों तरफ से सफलता मिलेगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। उत्साह बना रहेगा। चिंता तथा तनाव कम होंगे।

धमाकेदार एक्शन के साथ नजर आने वाले हैं सनी देओल और अक्षय खन्ना

सनी देओल और अपने तीखे अभिनय के लिए पहचाने जाने वाले अक्षय खन्ना एक बार फिर साथ स्क्रीन पर नजर आने वाले हैं। फिल्मफेयर की रिपोर्ट के मुताबिक ने दोनों सितारों के फैंस में एक्साइटमेंट दोगुनी कर दी है। बताया जा रहा है कि ये जोड़ी एक हाई-वोल्टेज एक्शन थ्रिलर में धूम मचाने की तैयारी में है, जिसमें एक्ट्रेस संजीदा शेख भी दमदार भूमिका निभाती दिखेंगी।

फिल्मफेयर की रिपोर्ट के मुताबिक दोनों सितारों ने एक ओटीटी एक्शन प्रोजेक्ट के लिए हाथ मिलाया है। यह फिल्म पूरी तरह डिजिटल दर्शकों को ध्यान में रखते हुए प्लान की जा रही है। शूटिंग मुंबई में शुरू होने वाली है और मेकर्स कहानी को लेकर पूरी तरह चुप्पी साधे हुए हैं। सूत्र बताते हैं कि कहानी बिजली-सी तेज रफ्तार वाली होगी, जिसमें भारी-भरकम एक्शन, इमोशनल ड्रामा और मिस्ट्री का तड़का लगाया गया है।

संजीदा शेख भी इस कहानी का अहम हिस्सा होंगी। उनके किरदार को फिल्म में इमोशनल गहराई जोड़ने वाला बताया गया है। पिछले कुछ समय में बड़े स्केल के एक्शन प्रोजेक्ट्स डिजिटल प्लेटफॉर्म पर ज्यादा पसंद किए जा रहे हैं। मेकर्स का मानना है कि ओटीटी की विशाल और विविध दर्शक संख्या ऐसी फिल्मों को तुरंत लोकप्रियता दिलाती है।

हालांकि यह अभी साफ नहीं है कि फिल्म किस प्लेटफॉर्म पर आएगी, लेकिन उद्योग से जुड़े लोग इसे किसी बड़े स्ट्रीमिंग जायंट से जुड़ा प्रोजेक्ट बता रहे हैं। इस फिल्म को सिद्धार्थ पी. मल्होत्रा डायरेक्ट कर रहे हैं, जो अपनी मजबूत कहानी और स्टाइलिश ट्रीटमेंट के लिए जाने जाते हैं। अक्षय खन्ना इस समय शानदार फॉर्म में हैं। पहले उन्होंने छावा में खलनायक बनकर दर्शकों को चौंकाया, उसके बाद उनकी अगली फिल्म 'धुरंधर' अपने लुक और इंटेंस ट्रेलर के कारण खूब चर्चा में है। साल 2025 उनके करियर के लिए खास होने वाला है और नया एक्शन प्रोजेक्ट उनकी लिस्ट में एक और दमदार एंट्री जोड़ देगा। जाट की सफलता के बाद सनी देओल एक बार फिर अपने एक्शन अवतार में धूम मचाने को तैयार हैं। वहीं उनकी मच अवेटेड फिल्म 'बॉर्डर 2' भी चर्चा में है, जिसमें वरुण धवन और दिलजीत दोसांझ भी नजर आएंगे। सनी देओल के फैंस उन्हें फिर बड़े पैमाने पर एक्शन करते देखने के लिए बेसब्र हैं।

अजय मेरे सीनियर हैं मैं उनसे दोस्ती का रिस्ता नहीं रख सकती : रकुलप्रीत

रकुल प्रीत सिंह हाल ही में अजय देवगन के साथ फिल्म दे दे प्यार दे 2 में नजर आईं। बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म ठीक-ठाक कमाई कर रही है। हाल ही में उन्होंने खुलासा किया है कि वह इंडस्ट्री में नई नहीं हैं, इसके बावजूद उन्हें अजय देवगन के मुकाबले बहुत ही कम अनुभव है। उन्होंने बताया है कि वह अजय देवगन के साथ दोस्ती का रिश्ता क्यों नहीं रख सकती।

बॉलीवुड बबल के साथ बातचीत में रकुल प्रीत सिंह ने बताया मैं उनके साथ दोस्ती का रिश्ता नहीं रख सकती। मेरा उनका रिश्ता सम्मान वाला है। मेरे लिए वह अभी भी अजय देवगन हैं। वह सीनियर अभिनेता हैं और बहुत अच्छे इंसान हैं। मैं अजय देवगन को सम्मान के साथ संबोधित करती हूं।

अजय देवगन के साथ रकुल प्रीत सिंह दोस्त की तरह क्यों नहीं रह सकती, इस पर उन्होंने सफाई देते हुए कहा जो आपकी उम्र के या आपसे कम उम्र के एक्टर होते हैं, वह आपके दोस्त बन जाते हैं। अजय देवगन को मैं सर मानती हूं। मैं अपने आपको इंडस्ट्री में नई नहीं मानती, फिर भी मेरा उनसे कम अनुभव है।

अंशुल शर्मा के निर्देशन में बनी फिल्म दे दे प्यार दे 2 में रकुल प्रीत और अजय देवगन के अलावा आर माधवन, गौतमी कपूर, जावेद जाफरी, मीजान जाफरी और अर्जुन पांचाल जैसे कलाकार हैं। यह फिल्म सिनेमाघरों में 14 नवंबर को रिलीज हुई थी। इसमें बड़ी उम्र के पुरुष का छोटी उम्र की लड़की के साथ रोमांस दिखाया गया है। बॉक्स ऑफिस पर फिल्म ने अब तक 51.10 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया है।

बॉलीवुड | मन की बात

कैंसर को लेकर मेरे दिल में एक डर बना हुआ है : दीपिका कक्कड़

टीवी अभिनेत्री दीपिका कक्कड़ ने हाल ही में अपने यूट्यूब चैनल पर बहुत भावुक होकर बताया कि उन्हें लिवर कैंसर हो गया है। अभी उनकी सभी मेडिकल रिपोर्ट्स नॉर्मल आ रही हैं, लेकिन फिर भी वे हर दिन डर, चिंता और शारीरिक परेशानियों से गुजर रही हैं। दीपिका ने कहा, कभी-कभी मैं बहुत खुश और उम्मीद से भरी रहती हूं, तो कभी अचानक डर लगने लगता है। मेरा दिल इतना कुछ सह नहीं पाता। दीपिका ने बताया कि हर दिन कुछ नई समस्या आती हैं। कभी थायरॉइड बढ़ता-घटता है तो कभी हार्मोनल बदलाव होते हैं, त्वचा बहुत रूखी हो गई है, हाथ फट रहे हैं, कान-गले में दबाव और नाक में सूखापन रहता है। अपने पति शोएब इब्राहिम के साथ रिकॉर्ड किए इस वीडियो में दीपिका ने आगे कहा, यह सफर बहुत थकाऊ है, लेकिन हमें हार नहीं माननी है। हमारे पास सिर्फ दो रास्ते हैं। पहला या तो डर के साथ बैठ जाएं और दूसरा डर के साथ ही आगे बढ़ते रहें। मैं आगे बढ़ना चाहती हूं। दीपिका ने इस वीडियो में उन सभी लोगों से कहा, जो कैंसर जैसी बीमारी से लड़ रहे हैं, हिम्मत मत हारो, खुद को बार-बार समझाओ कि सब ठीक हो जाएगा और अल्लाह पर पूरा भरोसा रखो। दीपिका कक्कड़ और शोएब इब्राहिम ने 22 फरवरी 2018 को शादी की थी। उनकी शादी उत्तर प्रदेश के मौदहा में हुई थी। दीपिका और शोएब का दो साल का बेटा रुहान है। दोनों अक्सर अपनी जिंदगी की सच्चाई फैंस के साथ शेयर करते रहते हैं। फैंस दीपिका के जल्दी ठीक होने की दुआ कर रहे हैं।

क्यों होती है जींस में नन्ही पॉकेट? इसका असली इस्तेमाल चौंका देगा!

आज के दौर में सोशल मीडिया का इस्तेमाल तेजी से बढ़ता जा रहा है। हर व्यक्ति किसी न किसी वजह से इस प्लेटफॉर्म पर सक्रिय रहता है। कोई मनोरंजक पोस्ट के कारण, तो कोई फोटो-वीडियो देखकर या अपने मन के सवाल शेयर करने की वजह से, आप भी जब सोशल मीडिया स्क्रॉल करते होंगे, तो कई बार ऐसी पोस्ट सामने आ जाती होगी, जो आपका ध्यान खींच लेती है। इसी तरह की एक पोस्ट इन दिनों खूब वायरल हो रही है, जिसके बारे में जानकर लोग हैरान हैं। पोस्ट में यूजर्स से पूछा गया है कि जींस की दाईं ओर मौजूद जेब के ऊपर जो छोटी सी जेब लगी होती है, उसे आखिर क्यों दिया जाता है। यह सवाल @Dheerusingh25 नाम के अकाउंट से पूछा गया है। पोस्ट पर कई तरह की प्रतिक्रियाएं आई हैं। कुछ लोगों का कहना है कि यह जेब सिक्के रखने के लिए होती है, कुछ ने इसे बेकार बताया, तो कुछ को इसके उद्देश्य का बिल्कुल अंदाजा नहीं था। वायरल होने के बाद इस पोस्ट ने लोगों की जिज्ञासा और बढ़ा दी है। हालांकि इस छोटी जेब का कोई आधिकारिक स्पष्टीकरण नहीं है, लेकिन आमतौर पर माना जाता है कि इसे मूल रूप से पॉकेट वॉच रखने के लिए बनाया गया था। 19वीं सदी में जब जींस डिजाइन की जा रही थी, तब कलाई घड़ियां नहीं थीं और समय देखने के लिए पॉकेट वॉच का उपयोग होता था। इसे सुरक्षित रखने के लिए जींस में यह छोटी जेब जोड़ी गई थी। भले ही आज पॉकेट वॉच का चलन खत्म हो चुका है, लेकिन यह डिजाइन अब एक स्टाइलिश परंपरा की तरह जींस में बरकरार है।

अजब-गजब | इस जगह की उल्टी परंपरा सुनकर रह जाएंगे दंग

जन्म पर आंसू और मौत पर जश्न मनाते हैं ये लोग

राजस्थान की सातिया जनजाति की परंपराएं दुनिया से बिल्कुल अलग नजर आती हैं। आमतौर पर लोग मौत को दुख और जन्म को खुशी मानते हैं, लेकिन इस समुदाय में ठीक उल्टा माना जाता है, मृत्यु यहां उल्लास का कारण है और जन्म शोक का कारण है।

उनकी यह सोच जीवन और मृत्यु को लेकर हमारे तय किए हुए नजरिए पर सवाल उठाती है। सातिया समुदाय में जब किसी की मौत होती है, तो पूरा गांव उत्सव मनाता है, ढोल-नगाड़ों की आवाज गूंजती है, मिठाइयां बांटी जाती हैं और लोग रात भर नाचते-गाते रहते हैं। वहीं, किसी शिशु के जन्म पर माहौल गमगीन हो जाता है और घरों में मातम जैसा सन्नाटा फैल जाता है। देखने-सुनने में यह परंपरा भले हैरान कर दे, लेकिन इसके पीछे एक गहरा विश्वास छिपा है।

करीब 24 परिवारों वाला यह छोटा समुदाय मृत्यु को आत्मा की मुक्ति मानता है। उनका मानना है कि मरने पर इंसान इस 'भौतिक कैद' से आजाद होकर मुक्त हो जाता है, इसलिए यह अवसर खुशी का है। अंतिम संस्कार वाले दिन लोग साफ कपड़े पहनते हैं, मिठाइयां और सूखे मेवे खरीदते हैं, शराब का सेवन करते हैं और राख ठंडी होने तक नाचते-

गाते उत्सव मनाते रहते हैं। चिता तक का सफर भी धूमधाम से तय किया जाता है, जिसे वे आत्मा की अंतिम यात्रा की तरह सम्मान देते हैं। चिता बुझने पर सामूहिक भोज भी किया जाता है। दूसरी ओर, सातिया समुदाय जीवन को 'पापों से भरी सजा' मानता है। किसी बच्चे का जन्म उनके लिए आत्मा के दुखों की दुनिया में पुनः लौटने जैसा है, इसीलिए वे शोक मनाते हैं। जन्म के दिन परिवार में सामान्य भोजन भी नहीं बनता और कई बार नवजात को अशुभ मान लिया जाता है। यह परंपरा सिर्फ अजीब रस्म भर नहीं, बल्कि सोच और दर्शन की गहरी परतें समेटे हुई है। यह मान्यता दर्शाती है कि कुछ लोग मृत्यु में स्वतंत्रता और जन्म में दुख देखते हैं। कुछ रिपोर्टों के अनुसार, सातिया समुदाय में शिक्षा का स्तर कम है और शराब की लत भी आम है, फिर भी उनकी परंपरा दुनिया को यह सोचने पर मजबूर करती है कि जीवन और मृत्यु के बारे में हमारी साधारण समझ हर बार सही हो, यह जरूरी नहीं।।

रोजगार दो-सामाजिक न्याय दो पदयात्रा में उत्साह चरम पर है

» पदयात्रा को प्रतापगढ़ की जनता ने दिया भरपूर जन समर्थन, आप सांसद ने जताया आभार

» प्रदेश में दलितों और पिछड़ों को दबाने में लगी बीजेपी सरकार : संजय सिंह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ/प्रतापगढ़। रोज़गार दो-सामाजिक न्याय दो पदयात्रा के दसवें दिन प्रतापगढ़ में ज़बरदस्त उत्साह और जन समर्थन के बीच आगे बढ़ी। आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सांसद संजय सिंह के नेतृत्व में यह पदयात्रा सुबह 10 बजे एनआरएस रिसॉर्ट, विश्वनाथगंज, भवानीपुर से शुरू हुई। यात्रा जम जम स्कूल से होते हुए मऊ आइमा के चौपाई बाग पहुंची। पूरे रास्ते लोग घरों, दुकानों और चौपालों से निकलकर पदयात्रा में ऐसे शामिल होते गए—मानो यह सिर्फ़ एक कार्यक्रम नहीं बल्कि जनता की अपनी मुहिम बन चुकी हो। प्रतापगढ़ में युवाओं से लेकर महिलाओं तक, किसान से लेकर बुनकरों तक, मज़दूरों से लेकर छोटे कारोबारियों तक-हर वर्ग ने हाथ मिलाकर इस यात्रा को जनांदोलन में बदल दिया है।

आशा बहुओं, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, शिक्षा मित्रों, शिक्षा अनुदेशकों और पुरानी पेंशन की मांग उठाने वाले कर्मचारियों ने भी भारी संख्या में आकर संजय सिंह के संदेश को और बुलंद किया। पूरे रास्ते भारी उत्साह के साथ लोगों ने पदयात्रा में अपनी सहभागिता दर्ज की, पदयात्रा को प्रतापगढ़ की जनता का अभूतपूर्व समर्थन मिला। जिसके लिए संजय सिंह ने प्रतापगढ़ की जनता का आभार जताया। दिनभर चली पदयात्रा के बाद संजय सिंह शाम को मऊ आइमा के चौपाई बाग स्थित वृन्दावन वाटिका पहुंचे, जहां अपने साथियों के साथ रात्रि विश्राम करेंगे। रोज़गार दो सामाजिक न्याय दो पदयात्रा शनिवार को वृंदावन वाटिका, चौपाई बाग, मऊ अहिमा से प्रारंभ होकर विभिन्न क्षेत्रों से आगे बढ़ते हुए प्रयागराज की ओर रवाना होगी।

बीजेपी ने प्रदेश के नौजवानों को बेरोजगारी के अंधेरे में धकेला

पदयात्रा के दौरान राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि भाजपा सरकार ने उत्तर प्रदेश के नौजवानों को बेरोजगारी के ऐसे अंधेरे में धकेल दिया है जहां लाखों युवा डिग्री लेकर भी हताश हैं क्योंकि भर्ती का हर दरवाज़ा या तो घोटालों से बंद है या पेपर लीक की आग में जल चुका है। सरकार की नीतिगत विफलताओं ने युवाओं को लगातार परीक्षाओं और पेपर लीक के नाम पर हो रही ठगी के भंवर में धकेल दिया है। एक तरफ 2018 से उत्तर प्रदेश में कोई शिक्षक भर्ती नहीं हुई, तो दूसरी ओर सिपाही, लेखपाल, दरोगा, पीसीएस जे से लेकर हाई स्कूल/इंटर तक के पेपर लीक हो रहे हैं, जिससे युवा हताश होकर आत्महत्या तक करने को मजबूर है।

आपसी भाईचारे को खत्म करना चाहती है भाजपा

संजय ने कहा कि भाजपा सरकार हिंदोस्तान को बांटने का काम करती है, आपसी भाईचारे को खत्म करना चाहती है। लेकिन हम ऐसा नहीं होने देंगे। उन्होंने कहा कि हमें नफरत से भरा हिंदोस्तान नहीं चाहिए। हमें वह हिंदुस्तान चाहिए जहां लोग एक-दूसरे का हाथ पकड़कर आगे बढ़ें, जहां धर्म और जाति दीवार नहीं, बल्कि इंसानियत की पहचान हो। यह देश मोहब्बत से बना है, और इसे केवल मोहब्बत ही बचा सकती है। आम आदमी पार्टी उसी भाईचारे की लड़ाई लड़ रही है जो इस देश की मिट्टी की मूल भावना है।रास्ते भर लोग बाबा साहब भीमराव अंबेडकर, ज्योतिबा फुले, भगत सिंह जी की तख्तियां लिए रोजगार दो - सामाजिक न्याय दो का संकल्प दोहराते दिखे।

आज प्रयाग राज पहुंचेगी यात्रा

कुटीर उद्योग बर्बादी के कगार पर

आप सांसद ने कहा कि भाजपा सरकार के गलत फैसलों ने किसानों, बुनकरों, लघु व कुटीर उद्योगों की रीढ़ तोड़कर उन्हें बर्बादी के कगार पर पहुंचा दिया। महंगी बिजली के चलते बुनकरों का धंधा बंद हो गया है, किसानों को फसल का सही दाम नहीं मिल रहा है, और छोटे व्यापारियों पर बुलडोजर चलाया जा रहा है। संजय सिंह ने कहा कि यही कारण है कि यह पदयात्रा उन युवाओं के अधिकार की आवाज़ बनकर निकली है, जो रोजगार की तलाश में दर-दर भटकने को मजबूर हैं।

चुनाव आयोग को कमजोर करने की साजिश : शुभेंदु

» ममता के चुनाव आयोग को लिखे पत्र पर भाजपा का पलटवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने भारत निर्वाचन आयोग के आयुक्त ज्ञानेश कुमार को बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा राज्य की मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के संबंध में भेजे गए पत्र का खंडन करते हुए एक खंडन पत्र सौंपा। गुरुवार को अपने पत्र में बंगाल के विपक्षी नेता ने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी का संदेश भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) के संवैधानिक अधिकार को कमज़ोर करने का एक जानबूझकर किया गया प्रयास है।

उन्होंने दावा किया कि इसका उद्देश्य चुनाव अधिकारियों के बीच मतभेद पैदा करना और अयोग्य व अवैध मतदाताओं से बने वोट बैंक की रक्षा करना है। अधिकारी ने लिखा कि मतदाता सूची के चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के लिए रचनात्मक सुझाव देने के बजाय, उनका संवाद भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) के संवैधानिक जनादेश को कमजोर करने, चुनाव अधिकारियों के बीच मतभेद पैदा करने और अयोग्य और अवैध तत्वों के वोट बैंक की रक्षा करने का एक सोचा-समझा प्रयास प्रतीत होता है, जिसे उनकी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नेतृत्व वाली राज्य सरकार ने चुनावी लाभ के लिए वर्षों से पोषित किया है। यह केवल एक प्रशासनिक चिंता नहीं है, यह भारत के लोकतांत्रिक सिद्धांतों की पवित्रता पर एक ज़बरदस्त हमला है। उन्होंने बंगाल की मुख्यमंत्री पर बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) को कथित तौर पर धमकाने का आरोप लगाया और दावा किया कि उन्होंने अधिकारियों को चुनाव आयोग के निर्देशों की अवहेलना करने और अपनी राजनीतिक सनक को प्राथमिकता देने के लिए उकसाया।

भाजपा विशेषाधिकार समिति का राजनीतिकरण कर रही

» रेखा सरकार पर आप का निशाना - समिति के बहाने जनता का ध्यान भटकाया जा रहा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार आठवीं दिल्ली विधानसभा की विशेषाधिकार समिति का राजनीतिकरण कर रही है। पार्टी ने एक बयान में कहा कि वह कई विशेष बैठकें बुलाकर और तथाकथित फांसी घर मामले में पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, पूर्व अध्यक्ष राम निवास गोयल और पूर्व उपाध्यक्ष राखी बिड़ला को नोटिस जारी कर रही है।

आप ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि भाजपा सरकार दिल्ली के गहराते पर्यावरणीय संकट और चरमराती सार्वजनिक सेवाओं से ध्यान हटाने के लिए विधायी समितियों का हथियार बना रही है। आप ने विशेषाधिकार समिति की कार्यवाही के मूल आधार पर ही सवाल उठाया। पार्टी ने कहा कि विशेषाधिकार समिति द्वारा उद्धृत घटना अगस्त 2022 में सातवीं विधानसभा के कार्यकाल के दौरान हुई थी। उन्होंने आगे कहा कि वह विधानसभा फरवरी 2025 में भंग कर दी गई थी। एक बार विधानसभा भंग हो जाने पर, उसके विशेषाधिकार और कार्यवाही समाप्त हो जाती है। आठवीं विधानसभा पिछले कार्यकाल से संबंधित मामलों पर विशेषाधिकार प्राप्त कार्रवाई शुरू या जारी नहीं रख सकती।

दिल्ली में प्रदूषण संकट की हो रही अनदेखी

आप ने अमरिंदर सिंह बनाम पंजाब विधानसभा (2010) में सर्वोच्च न्यायालय के फैसले का हवाला दिया और कहा कि विशेषाधिकार समिति की कार्रवाई कानूनी रूप से अस्थिर, प्रक्रियात्मक रूप से अस्थिर और पूरी तरह से राजनीतिक उद्देश्यों से प्रेरित है। आप ने कहा कि यह बेहद चौंकाने वाला है कि भाजपा सरकार ने दिल्ली के बढ़ते प्रदूषण संकट की अनदेखी करते हुए विशेषाधिकार समिति की विशेष बैठक बुलाई। पार्टी ने कहा कि डॉक्टर अब सार्वजनिक रूप से परिवारों को सलाह दे रहे हैं कि अगर उनके छोटे बच्चे या बुजुर्ग सदस्य हैं तो वे दिल्ली छोड़ दें। इसमें आगे कहा गया है पूर्व एम्स निदेशक ने आगाह किया है कि दिल्ली में व्याप्त ज़हरीला धुआँ अब कोविड-19 से भी ज्यादा मौतों का कारण बन रहा है, और सूक्ष्म कण हृदयाघात, स्ट्रोक, मनोभ्रंश और बांझपन का खतरा बढ़ा रहे हैं। बच्चों के फेफड़े सबसे ज्यादा कमज़ोर हैं। फिर भी भाजपा सरकार आंकड़ों को दबाने और सुर्खियां बटोरने के अलावा कुछ नहीं कर रही है।

स्वस्थ जीवनशैली व आत्मनिर्भरता के तहत किया रक्तदान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सामाजिक कार्य के तहत युवाओं, महिलाओं और परिवारों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। उन्होंने रक्तदान किया और स्वस्थ जीवनशैली व आत्मनिर्भरता के बारे में जानकारी प्राप्त की।

लोगों का सामूहिक उत्साह इस बात का प्रमाण था कि वे केवल उपस्थित होने के लिए नहीं, बल्कि नि:स्वार्थ योगदान देने के लिए आगे आए-यह दर्शाता है कि यात्रा किस प्रकार लोगों को स्वास्थ्य, सेवा और संस्कार के तीन मूल स्तंभों पर कार्य करने के लिए प्रेरित कर रही है। उत्तर प्रदेश आरसीएम की विकास यात्रा में एक विशेष स्थान रखता है। आरसीएम के राष्ट्रव्यापी रूपांतरण यात्रा के शुभारंभ के बाद से अब तक लाखों नवोद्यमी इससे जुड़ चुके हैं, जो कंपनी की जन-आधारित विकास यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

अफ्रीका ने वनडे व टी20 के लिए किया टीम का ऐलान

» भारत के खिलाफ बावुमा संभालेंगे वनडे की कमान, टी20 सीरीज में मार्करम करेंगे कप्तानी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका ने भारत के खिलाफ होने वाली वनडे और टी20 सीरीज के लिए टीम का एलान कर दिया है। दोनों टीमों के बीच फिलहाल दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जा रही है जिसका दूसरा मुकाबला शनिवार से गुवाहाटी में खेला जाएगा। टेस्ट सीरीज के बाद भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज खेली जाएगी। वनडे में तेम्बा बावुमा दक्षिण अफ्रीका की कमान संभालेंगे, जबकि पांच मैचों की टी20 सीरीज में एडेन मार्करम कप्तान होंगे।

वहीं दक्षिण अफ्रीका के लिए झटके की बात यह है कि तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा स्वदेश वापस लौटेंगे। उन्हें पहले टेस्ट से पूर्व अभ्यास सत्र के दौरान पसली में चोट लगी थी जिससे वह उबरने में नाकाम रहे हैं। रबाडा पहले टेस्ट में भी नहीं खेले थे और अब वह दूसरे टेस्ट से भी बाहर हो गए हैं। दिलचस्प बात यह है कि हाल ही में वनडे संन्यास के फैसले से वापसी करने वाले क्विंटन डिकॉक को भी टीम में जगह मिली है। डिकॉक को हाल ही में पाकिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज में टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया था। उन्होंने तीन पारियों में एक शतक और दो अर्धशतकों सहित 232 रन बनाकर शीर्ष स्थान हासिल किया था। पाकिस्तान के खिलाफ सीरीज में दक्षिण अफ्रीका के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वालों में दूसरे स्थान पर रहे लुहान डी प्रिटोरियस को हालांकि भारत के खिलाफ सीरीज के लिए टीम में मौका नहीं मिला है। भारत और दक्षिण अफ्रीका 30 नवंबर से छह दिसंबर के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज में आमने-सामने होंगे। वहीं दक्षिण अफ्रीका नौ दिसंबर से भारत के साथ पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज खेलेगा।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के लिए सूर्यकुमार मुंबई टीम में शामिल

नई दिल्ली। भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव को 26 नवंबर से शुरू हो रही सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के लिए मुंबई की टीम में शामिल किया गया है। इस 17 सदस्यीय टीम के नेतृत्व की जिम्मेदारी शार्दुल ठाकुर को सौंपी गई है, जिसमें शिवम दुबे, सरफराज खान, अजिंक्य रहाणे और आयुष म्हात्रे जैसे खिलाड़ियों को जगह मिली है। नौ दिसंबर से शुरू हो रही पांच मैचों की घरेलू सीरीज से पहले भारतीय कप्तान की नजरें घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन से लय हासिल करने पर होंगी। इस साल 15 टी20 पारियों में 35 वर्षीय बल्लेबाज ने सिर्फ 184 रन बनाए हैं जबकि आईपीएल 2025 में उन्होंने मुंबई इंडियंस के लिए 717 रन बनाए थे।

वोट चोरी पर कांग्रेस करेगी बड़ा चोट

अगले महीने आयोग के खिलाफ हल्लाबोल

» मतदाता सूची की अखंडता की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध : खरगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस दिसंबर के दूसरे हफ़्ते में दिल्ली के रामलीला मैदान में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ एक रैली आयोजित करेगी। यह रैली वोट-चोरी के आरोपों के खिलाफ़ देशव्यापी हस्ताक्षर अभियान के पूरा होने के बाद हो रही है, जिसके तहत पार्टी ने देश भर से पांच करोड़ हस्ताक्षर एकत्र किए थे। आज यहां उन बारह राज्यों के प्रदेश कांग्रेस अध्यक्षों, कांग्रेस विधायक दल के नेताओं, महासचिवों, प्रभारियों, सचिवों और वरिष्ठ नेताओं की एक बैठक हुई, जहां एसआईआर प्रक्रि या चल रही है। इसकी अध्यक्षता कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने की।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल भी उपस्थित थे। अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि कांग्रेस पार्टी मतदाता सूची की अखंडता की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

65 लाख वोट चुराए गए उसकी जांच कब होगी : हनुमंत राव

कांग्रेस नेता वी. हनुमंत राव ने कहा कि 65 लाख वोट चुराए गए, लेकिन चुनाव आयोग ने इसकी जाँच शुरू नहीं की है। इसी वजह से देश भर की राजनीतिक पार्टियाँ रामलीला मैदान में जनसभा करने के लिए इकट्ठा हो रही हैं। राहुल गाँधी वहाँ देशवासियों को यह बताने जाएँगे कि हमारे देश में कितनी

बेईमानी हो रही है और बाबासाहेब अंबेडकर का कितना अपमान हो रहा है, क्योंकि उनके दिए अधिकारों का पालन नहीं किया जा रहा है... लोगों को संविधान के उल्लंघन के खिलाफएकजुट होना चाहिए... वोट चोर, गद्दी चोर पर होने वाली सभा को सफल बनाना चाहिए... इस एनडीए सरकार को अपनी आँखें खोलनी चाहिए।

दिल्ली में विशाल रैली की तैयारी

उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग का एसआईआर प्रक्रि या के दौरान आचरण बेहद निराशाजनक रहा है। खरगे ने कहा, उसे तुरंत यह दिखाना होगा कि वह भाजपा के साये में काम नहीं कर रहा है और उसे भारत की जनता के प्रति अपनी संवैधानिक शपथ और निष्ठा याद है, न कि किसी सत्तारूढ़ दल के प्रति।

परिवार को हार से बचाने के लिए चुनाव आयोग को निशाना बना रहे : पूनावाला

राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने पलटवार करते हुए कहा कि एसआईआर एक बहाना है। परिवार को हार से बचाने के लिए चुनाव आयोग को निशाना बनाया जा रहा है। यह वही कांग्रेस है जिसने महाराष्ट्र में एसआईआर का समर्थन किया था और इसे तुरंत लागू करने की माँग की थी, फिर भी बंगाल और बिहार में यह अलग रुख अपनाती है। फिलहाल, वे एसआईआर का विरोध कर रहे हैं, लेकिन बिहार में एसआईआर को लेकर सुप्रीम कोर्ट में कोई अपील या शिकायत दर्ज नहीं की गई है... यहाँ तक कि कांग्रेस के नेता भी वोट चोरी की इस कहानी पर विश्वास नहीं करते। तारिक अनवर और अन्य लोग इसका खंडन करते हुए दावा करते हैं कि टिकट चुराए गए थे, वोट नहीं। राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी को पहले अपने नेताओं और सहयोगियों को समझाना चाहिए। इस रैली में भी, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का कोई भी सहयोगी शामिल नहीं हो रहा है। कांग्रेस कह रही है, वोट चोर, गद्दी चोर, लेकिन कांग्रेस के सहयोगी कह रहे हैं, कांग्रेस चोर, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का।

मंत्री बनने पर दीपक प्रकाश पर चौतरफा वार

» पिता उपेन्द्र कुशवाहा बोले - फेल विद्यार्थी नहीं है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। नीतीश कुमार के साथ-साथ भाजपा और जदयू के कई नेताओं ने नई सरकार में शपथ ली, उसमें कुछ चेहरे बिलकुल नए हैं। यानी पहली बार चुनाव लड़क र जीत हासिल की और वेलोग अब विधानसभा में नजर आएंगे। लेकिन कल से आज तक एक नए चेहरे पर चर्चा हो रही है, जिनके बारे में यह कहा जा रहा है कि वह बिना चुनाव लड़े ही मंत्री बन गए। जी वह हैं दीपक प्रकाश। बिना चुनाव लड़े मंत्री बनने वाले दीपक प्रकाश सोशल मीडिया खूब ट्रोल हो रहे हैं। लोग एनडीए पर कटाक्ष करते हुए परिवारवाद पर भी सवाल उठा रहे हैं, ऐसे में उपेन्द्र कुशवाहा सामने आकर जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि दीपक प्रकाश फेल विद्यार्थी नहीं है।

उपेन्द्र कुशवाहा ने कहा कि, मेरा पक्ष है कि अगर आपने हमारे निर्णय को परिवारवाद की श्रेणी में रखा है, तो जरा समझिए मेरी विवशता को। पार्टी के अस्तित्व व भविष्य को बचाने व बनाए रखने के लिए मेरा यह कदम जरुरी ही नहीं अपरिहार्य था। मैं तमाम कारणों का सार्वजनिक विश्लेषण नहीं कर सकता, लेकिन आप सभी जानते हैं कि पूर्व में पार्टी के विलय जैसा भी अलोकप्रिय और एक तरह से लगभग आत्मघाती निर्णय लेना पड़ा था। जिसकी तीखी आलोचना बिहार भर में हुई। उस वक्त भी बड़े संघर्ष के बाद आप सभी के आशीर्वाद से पार्टी ने सांसद, विधायक सब बनाए। लोग जीते और निकल लिए। झोली खाली की खाली रही। शुन्य पर पहूंच गए। पुन: ऐसी स्थिति न आए, सोचना ज़रूरी था।

टीएमसी विधायक के बयान पर मचा घमासान

» हुमायूं कबीर ने 6 दिसंबर को मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद की नींव रखने की कही थी बात

» कांग्रेस समावेशिता और समानता की बात करती है: अजय कुमार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की सत्ताधारी पार्टी टीएमसी के एक विधायक ने दावा किया है कि 6 दिसंबर को मुर्शिदाबाद के बेलडांगा में बाबरी मस्जिद की नींव रखी जाएगी, जिसमें कई मुस्लिम नेता शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि इस मस्जिद के निर्माण में तीन साल का समय लगेगा। टीएमसी विधायक के इस बयान पर राजनीतिक घमासान शुरू हो गया है। टीएमसी विधायक के बयान पर भाजपा ने कड़ी प्रतिक्रि या दी है और इसे टीएमसी की तुष्टिकरण और धर्म की राजनीति करार दिया।

बंगाल की भरतपुर विधानसभा सीट से विधायक हुमायूं कबीर ने बीते साल बाबरी मस्जिद के निर्माण का एलान किया था। कबीर ने कहा कि बाबरी मस्जिद की नींव रखे जाने वाले कार्यक्रम में करीब दो लाख लोग शामिल होंगे, जिनमें 400 प्रमुख हस्तियां मंच पर उपस्थित रहेंगी। कांग्रेस नेता अजय कुमार लल्लू ने टीएमसी विधायक हुमायूं कबीर के बयान पर कहा कि हम इसे लेकर पूरी तरह से स्पष्ट हैं। हम रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, महिलाएं, किसानों और मजदूरों के साथ समावेशिता और समानता की बात करते हैं। कांग्रेस पार्टी हमेशा से संविधान की बात करती है और चुनाव भी इन्हीं मुद्दों पर लड़ा जाए। कांग्रेस नेता उदित राज ने टीएमसी विधायक के बयान पर कहा कि अगर मंदिर की नींव रखी जा सकती है तो मस्जिद की नींव रखने में क्या दिक्कत है?

बाबर के समर्थक सिर्फ बाबरी की बात करेंगे

भाजपा नेता यासर जिलानी ने टीएमसी विधायक के एलान पर कहा, बाबर के चाहने वाले हमेशा बाबरी की बात करेंगे। उन्हें नहीं पता कि बाबर और बाबरी दोनों इतिहास हैं, ऐसा इतिहास दोहराया नहीं जा सकता। टीएमसी के अंदर भगदड़ मची हुई है। उन्हें पता है कि इस बार पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की सरकार गिर रही है। उनके नेता, विधायक और उनके शीर्ष प्रवक्ता तुष्टिकरण राजनीति के चैंपियन हैं। वे तुष्टिकरण की राजनीति करने की कोशिश कर रहे हैं। क्या भारत में ऐसा हो सकता है कि कोई नई बाबरी लाए? यह तुष्टिकरण की राजनीति के अलावा कुछ नहीं है, जिससे उन्हें किसी भी तरह का फायदा नहीं होगा।

बाबर के नाम पर कुछ भी बनना अस्वीकार्य : ज्योतिर्मय सिंह

भाजपा सांसद ज्योतिर्मय सिंह महतो ने कहा कि अगर कहीं बाबरी मस्जिद बनती है, तो हम वहां मंदिर बनाकर रामलला को वापस लाएंगे। उन्होंने पूछा कि यहां बाबरी मस्जिद क्यों होनी चाहिए? बाबर एक लुटेरा था और उसके नाम पर कुछ भी बनाना अस्वीकार्य है। भाजपा ने टीएमसी पर तुष्टिकरण और धर्म की राजनीति करने का आरोप लगाया। भाजपा नेता अग्निमित्रा पॉल ने कहा कि कोई भी मंदिर-मस्जिद का निर्माण कर सकता है, लेकिन टीएमसी धर्म के नाम पर राजनीति कर रही है। 6 दिसंबर की तारीख चुनने के पीछे की मंशा साफ है, लेकिन सवाल ये है कि टीएमसी ने अब तक अल्पसंख्यकों के लिए क्या किया? भाजपा नेता राहुल सिन्हा ने कहा कि कोई भी मस्जिद बना सकता है, लेकिन इसकी सही जगह होनी चाहिए। कोई अपने धर्म का पालन करता है तो हमें उससे कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन जो मस्जिद का राजनीतिकरण कर रहे हैं, वे मुस्लिम धर्म का अपमान कर रहे हैं। अगर सभी भारतीय मुस्लिम मिलकर एक मस्जिद बनाते हैं तो उसमें किसी को कोई परेशानी नहीं है।

जनता के मुद्दों में हारने लगे तो ले आए एसआईआर: अखिलेश

» सपा प्रमुख का भाजपा सरकार पर प्रहार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में शनिवार को सपा मुख्यालय पर सपा मुखिया अखिलेश यादव ने कहा कि चुनाव आयोग और बीजेपी पाश्चिम बंगाल पर फोकस कर रही है। 2024 में जिन विधानसभाओं में सपा जीती है, वहां वोट काटने की साजिश हो रही है। कन्नौज के एसडीएम का ऑडियो भी वायरल है। अखिलेश ने एसआईआर के लिए समय बढ़ाने की मांग की।

कहा कि शादी और खेती के मौसम में एसआईआर कराना गलत है। हर विधानसभा में 50 हजार वोट काटने की साजिश है। बीएलओ घर-घर नहीं जा रहे हैं। बिना तैयारी के एसआईआर किया जा रहा है। बीएलओ को ट्रेनिंग भी नहीं दी गई। बीजेपी वाले जब जनता में और मुद्दों में हारने लगे तो जीतने के लिएएसआईआर ले आए।

वसूली में गिरावट, लेखा विभाग में बगावत की आहट

» नगर निगम में तबादलों के बाद राजस्व वसूली पर पड़ा असर, नगर आयुक्त सख्त

मो. शारिक/4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निगम लखनऊ में राजस्व निरीक्षकों और जोनल अधिकारियों के हालिया तबादलों के बाद वसूली में भारी गिरावट दर्ज की गई है। अचानक बंद लिफाफों में तबादला आदेश मिलने और तुरंत नई जगह ज्वाइन करने के निर्देशों के चलते राजस्व प्रणाली में अव्यवस्था पैदा हुई है। नगर आयुक्त के निर्देश के अनुसार सभी राजस्व निरीक्षकों को स्मार्ट सिटी कार्यालय से सीधे अपने-अपने नए जोन में पहुंचकर कार्यभार ग्रहण करना था। अधिकांश अधिकारियों के लिए नए क्षेत्र, नए वार्ड और पूरी व्यवस्था अपरिचित थी, जिसका सीधा असर राजस्व वसूली पर पड़ा।

परिणामस्वरूप नगर आयुक्त द्वारा निर्धारित लक्ष्य काफी पीछे रह गया, जिसको लेकर उनकी नाराज़गी साफ झलक रही है। सूत्रों के मुताबिक हाल ही में हुई ज़ूम मीटिंग में नगर आयुक्त ने चेतावनी देते हुए कहा कि जिन

अधिकारियों की वसूली का लक्ष्य पूरा नहीं हुआ है, उनकी सर्विस बुक तक मंगाई जा सकती है, जिससे विभाग में हड़कंप मच गया है। बंद लिफाफे में आदेश, सिफ़ारिशों का रास्ता बंद और अब सर्विस बुक मंगाए जाने की चेतावनी इन सबके बीच सभी अधिकारी दबाव में काम करते नज़र आ रहे हैं। अंदरूनी चर्चाओं के अनुसार नए जोनों के वार्डों की भौगोलिक और प्रशासनिक जानकारी जुटाने में कम से कम एक महीना लग सकता है, इसलिए तुरंत लक्ष्य प्राप्ति कठिन मानी जा रही है। अब सबकी निगाहें नगर आयुक्त गौरव कुमार के अगले फैसले पर टिकी हैं।

नगर निगम लेखा विभाग में भी उबल रहा असंतोष

लेखा विभाग में वर्षों से जमे कुछ बाबुओं की पकड़ अब सवालों के घेरे में है। लंबे समय से एक ही सीट पर टिके रहने और अपनी मजबूत पकड़ के कारण विभाग में पारदर्शिता और कार्यसंस्कृति पर प्रश्न उठ रहे हैं। ईमानदार और सख्त छवि वाले नगर आयुक्त गौरव कुमार ने परिवर्तन और नियमों की सख्त पालना पर स्पष्ट संदेश दिया है, लेकिन अब देखने वाली बात यह है कि क्या लेखा विभाग में मौजूद ऐसे प्रभावशाली कर्मचारी भी प्रशासनिक कार्रवाई के दायरे में आएंगे या स्थिति जस की तस बनी रहेगी। भ्रष्टाचार पर कार्रवाई की उम्मीद में कर्मचारियों की निगाहें नगर आयुक्त की ओर टिकी हैं।

बरसों से जमे बाबू, एजेंसियों और ठेकेदारों के खास कर रहे हाथ साफ

नगर निगम के लेखा विभाग की कार्यप्रणाली एक बड़ा सवाल खड़ा करती है। मुख्यमंत्री की जीरो टॉलरेंस नीति जहाँ पूरे प्रदेश में तेजी से लागू की जा रही है, वहीं नगर निगम का यह विभाग उससे बिल्कुल अछूता दिखाई देता है। वर्षों से एक ही कुर्सी पर जमे बाबू मनमाने ढंग से फाइलों का निपटारा करते हैं। सूत्र बताते हैं कि बड़ी-बड़ी एजेंसियों की फाइलों को पास कराने में इनकी पकड़ इतनी मजबूत हो चुकी है कि ठेकेदार भी इन्हीं के भरोसे चलते हैं। जिसकी फाइल इन बाबुओं के पास जाती है, उसका निपटारा नियमों से नहीं, बल्कि व्यक्तिगत संबंधों और पसंद-नापसंद के आधार पर होता है। स्थिति यह है कि इनकी पकड़ इतनी मजबूत हो चुकी है कि कई साल पुराने बरगद की जड़ें भी इनके सामने फीकी लगती हैं। नियम-कानून, पारदर्शिता और सरकार के सख्त निर्देश सब कुछ इनके आगे बौना साबित हो रहा है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।